

jftLV³h laö Mhö ,yö&33004@99

REGD. NO. D. L.-33004/99

izkf/dkj ls izdkf'kr
PUBLISHED BY AUTHORITY

la- 403] ubZ fnYyh] eaxyokj] uoEcj 15] 2016@dkfrZd 24] 1938 No. 403]
NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 15, 2016/KARTIKA 24, 1938

िपुरा विवि्वालय

अधसूचना

िपुरा, 11 नवंबर, 2016

सं एफ- 37-3/2009-डेटांक (यू).—निर्णय निलिखत को सवर्णसाधारण कड जानकारी के िलए ंकाशित ढकया

जाता है:—

ंथम अणयादेश

(िपुरा विवि्वालय अधिनयम, 2006 के अंतगर्णत, 2007 कड सं. 9)

(मानव संसाधन विकास मंालय, भारत सरकार, नई ढदली ँल्लेारा अनुमोढदत

संदभर्ण सं.- एफ-37-3/2009-डेटांक(यू) ढदनांक 1 मई, 2012)

अणयादेश ए-1

विभाग/केडॉ से अणययन संकाय मंडल तक के कायर्ण के संदभर्ण मथ

(िपुरा विवि्वालय अधिनयम, 2006 कड उपधारा 31 (1) (पी) के अधीन संविध 15 के खंड 5 (ए) के साथ पढा

जाए) ंकयेक संकाय के अंतगर्णत डि, लिखत विभाग/केडॉ उसी संकाय हेतु निर्दहगे, जब कभी वे ंथापित ढकए

जाएंगे : 1. साहिंय संकाय :

i. अंज्ेजी विभाग

ii. बांला विभाग

iii. हिंदी विभाग

iv. संकृत विभाग

v. भाषा-विान विभाग

vi. तुलनामक साहिंय विभाग

5281 GI/2016

(1)

vii. कोकबरक एवं जनजातीय भाषा विभाग

2. ंकृतिक विान के संकाय :

i. भौतिकशाथ विभाग

ii. रसायनशाथ विभाग

iii. गिणत विभाग

iv. सांख्यिक विभाग

v. वनस्पतिशास्त्र विभाग

vi. जलशास्त्र विभाग

vii. मानव शारीरिक विभाग

viii. भूगोल एवं आपदा संबंधन विभाग

3. समाजशास्त्र के संकाय :

i. आवहारिक एवं विवेचनात्मक अर्थशास्त्र विभाग

ii. इतिहास विभाग

iii. राजनीतिशास्त्र विभाग

iv. दशज्ञानशास्त्र विभाग

v. समाजशास्त्र विभाग

vi. लोक-शासन विभाग

vii. मनोविज्ञान विभाग

viii. ग्रामीण संबंधन एवं विकास विभाग

ix. शिक्षाशास्त्र विभाग

x. गांधी अभियान केन्द्र

xi. महिला अभियान केन्द्र

xii. जनजातीय अभियान केन्द्र

xiii. समाजिक बिह्वार एवं समावेश नीति अभियान केन्द्र

4. चिकित्सा विज्ञान के संकाय :

i. शरीर-रचना-विज्ञान विभाग

ii. औषध विज्ञान विभाग

iii. शारीर विज्ञान विभाग

- iv. औषध विज्ञान विभाग
- v. बाल चिकित्सा विज्ञान विभाग
- vi. चिकित्सा जैव-रसायन विज्ञान विभाग
- vii. सूति एवं शी रोग विज्ञान विभाग
- viii. भेषज विज्ञान विभाग
- ix. आंख, नाक व रितज रोग विज्ञान विभाग
- x. ंवजा एवं रितज रोग विज्ञान विभाग
- xi. शय-चिकित्सा विज्ञान विभाग

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

3

- xii. 3याय-चिकित्सा विज्ञान विभाग
- xiii. मनःचिकित्सा विज्ञान विभाग
- xiv. उपचयाय विभाग
- xv. मानव आनुवंशिक रोग एवं रोग र्तिरर्ण विज्ञान अययन कर्
- xvi. जड़ी-बूटी औषध विज्ञान अवेषण केर्

5. वाणिज्य, विविध, र्बंधन एवं सूचना विज्ञान के संकाय :

- i. वाणिज्य विभाग
- ii. ावसायिक र्बंधन विभाग
- iii. विविध विभाग
- iv. पुर्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
- v. प्काइरता एवं जनसंचार विभाग

6. अभियांिक एवं तकनीक के संकाय :

- i. संगणक विज्ञान एवं अभियांिक विभाग

- ii. संगणक अनु०योग विभाग
- iii. वि०त अभियां०िक\$ विभाग
- iv. यां०िक\$ अभियां०िक\$ विभाग
- v. जानपद अभियां०िक\$ विभाग
- vi. इले०ाॉनि०स एवं संचार अभियां०िक\$ विभाग
- vii. उ०पादन एवं औ०ोगिक अभियां०िक\$ विभाग
- viii. सूचना ००ौ०ोगिक\$ विभाग

7. कृषि एवं पशु वि०ान तथा वा०िक\$ के संकाय:

- i. कृषि वि०ान विभाग
- ii. वा०िक\$ एवं जैव-विविधता वि०ान वभाग
- iii. उ०ान-वि०ान विभाग
- iv. म०ंय वि०ान विभाग
- v. पशु चिक०सा एवं पशु वि०ान विभाग

8. संगीत एवं लिलत कला के संकाय :

- i. संगीत विभाग
- ii. लिलत कला विभाग

9. शारी०रक शि०ा के संकाय :

- i. शारी०रक शि०ा विभाग

10. अंतर-विषयक एवं ००यु० वि०ान के संकाय :

- i. जैव-रसायन वि०ान विभाग
- ii. सू०म-जैविक\$ वि०ान विभाग
- iii. आणिवक एवं जैव-सूचना वि०ान विभाग
- iv. खॉ ००ौ०ोगिक\$ एवं खॉ ००संकरण वि०ान विभाग

v. जैव-औद्योगिक विभाग

vi. पाठ्यरिक्तिक एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

vii. बजलक विज्ञान विभाग

और, विविध विद्यालय के शैक्षणिक परीक्षा एवं कायदा-परिष्कार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित अथवा कोई विभाग ।

अनुयादेश ए-2

अध्ययन संकाय मंडल (बोर्ड) के संदर्भ मश

(त्रिपुरा विविध विद्यालय अधिनियम, 2006 क 31(1)(ज) के अधीन संविधि 15 के खंड (3) के साथ पढ़ा जाए)

1. गठन:

अध्ययन संकाय समित का गठन निम्न प्रकार से होगा :

- i. संकायाध्यक्ष;
- ii. संकाय मश विभाग के अध्यक्ष;
- iii. संकाय के सभी प्राध्यापक;
- iv. निम्नलिखित रूप से एवं वृद्धि के आधार पर अध्यक्ष विभाग के अध्यक्ष से एक सह प्राध्यापक तथा एक सहायक प्राध्यापक;
- v. संबंधित महाविद्यालय के संबंधित संकाय से दो प्राध्यापक, जिन्हें महाविद्यालय-सेवा क वृद्धि के आधार पर कुलपित द्वारा नामित किया जाएगा;
- vi. शैक्षणिक परीक्षा द्वारा पांच ऐसे

जिन्हें नामित किया जाएगा जो संबंधित संकाय के विषय के विशेषज्ञ

होंगे तथा जो इस विविध विद्यालय अथवा इससे संबंधित माध्यम प्राध्यापक/संस्थान से संबंधित कामकाज नहीं होंगे;

- vii. अथवा संकाय मश से अध्यक्ष से एक प्रतिनिधि, जो संबंधित संकाय के साथ अंतर-विभागीय विषय पर कायदा करता हो, कुलपित द्वारा नामित किया जाएगा।

2. कायदाकाल:

संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक के अतिरिक्त सामान्य सदस्य का कायदाकाल दो वर्ष का होगा।

3. अध्यक्ष :

संकायानुसंगिक अध्येयन संकाय मंडल के अध्यक्षों हेतु तथा बैठक का संयोजन भी उद्देश के अनुसार ठक्या जाएगा।

4. अधिकार एवं कायदा :

समित के कायदा एवं अधिकार निम्न प्रकार से होंगे :

क. संकाय के विभाग/केन्द्रों द्वारा स्थापित विभिन्न पाठ्यक्रम कक्षा अनुशंसा शैक्षिक पदरक्षक को करना;

ख. संकाय के विभाग/केन्द्रों द्वारा स्थापित विभिन्न पाठ्यक्रम मध्य स्तर हेतु अत्यधिक कक्षा योग्यता एवं नामांकन

प्रदान का निश्चय करना;

ग. विभाग/केन्द्रों द्वारा पीएच.डी. डिग्री हेतु शोध के लिए स्तर हेतु आने वाले अत्यधिक के आवेदन पर

विचार करना; घ. संकाय के विभाग/केन्द्रों मध्य एम.ए.फल. पाठ्यक्रम मध्य स्तर के लिए इच्छुक अत्यधिक के

आवेदन पर विचार करना तथा उसका संतुष्टि करना;

ड. स्तरीय कायदा के मूल्यांकन के लिए सामाजिक नियमावली का निश्चय करना;

च. संकाय के विभाग/केन्द्रों हेतु शैक्षिक समय-सारणी (अकादमिक कैलेंडर) को समीक्षित करना;

छ. संकाय के छात्रों के कक्षा से संबंधित स्तर पर विचार करना;

ज. संकाय के विभाग/केन्द्रों मध्य अध्यापन एवं शोध कायदा का समीक्षण करना;

Hkkx III [k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

5

झ. संकाय हेतु अध्यापन एवं शोध कक्षा ट्रेनिंग योजना पर विचार करना तथा संबंधी स्तर शैक्षिक पदरक्षक को

उद्देशित करना;

ञ. विभाग/केन्द्रों से स्थापित स्तर के अनुसार पद के सृजन उद्देश संबंधी स्तर पर विचार करना तथा

आवश्यकतानुसार शैक्षिक पदरक्षक को अनुशंसा करना;

ट. विभाग द्वारा शोध उपाधि के अतिरिक्त अग्र संचालित पाठ्यक्रम हेतु संबंधित विभागीय अध्येयन मंडल

द्वारा स्थापित परीक्षा कक्ष नियुक्ति संबंधी स्तर कक्षा अनुशंसा करना;

ठ. संबंधित अध्येयन समिति कक्षा अनुशंसा से विभाग/केन्द्रों द्वारा संचालित शोध उपाधिय के पाठ्यक्रम मध्य

समावेशन, पदरक्षक तथा संशोधन कक्षा संतुष्टि करना;

ड. शोध-उद्देश के मूल्यांकन संबंधी विभाग/केन्द्रों से आए स्तर पर विचार कर उसे शैक्षिक पदरक्षक को

अनुशंसित करना;

ढ.अ. यथट को शोध उपाधि ०५दान करने हेतुशोध-०५बंध के मू५यांकन के िलए िनयु० परी०क के िनण०य पर िवचार करना तथा त०संबंधी समुचित अनुशंसा करना;

ण.संकाय के एक से अधिक िवभाग/के३०क५ िच के िवषय० अथवा ०००० म० अ०यापन एवं शोध काय० आयो०जित करने के िलए सिमित का गठन करना, जो ढकसी एक िवभाग/के३०के ००००ाधिकार म० नह० ह. तथा उस सिमित के काय० का िनरी०ण करना। इस तरह क५ सिमितय० का गठन, काय० तथा अधिकार० का िनधा०रण िविनयम० के अनुसार होगा;

त.समय-समय पर मंडल ॥॥॥ारा िलए गए िनण०य० के अनुसार संकाया०य० अथवा मंडलके ढकसी सद०य अथवा ढकसी सिमित को सामा३य अथवा िविश०अधिकार ०५दान करना;

थ.सिमित ॥॥॥ारा िव०वि०ालय क५ काय० प०रषद्, शै०ी०क प०रषद् अथवा कुलपित ॥॥॥ारा मंडल कोसंद०भत सभी मु०० पर िवचार करने के अलावा अ३य वेकाय० भी करने ह०गे जो िव०वि०ालय अधिनयम, सं०विध तथा अ०यादेश ॥॥॥ारा िविहत ह०।

5.बैठक :

क.मंडल ॥॥॥ारा ०५०येक शै०ी०कसू के दौरानकम से कम दो सामा३य बैठक० आयो०जित क५

जाएँगी,िजनम० से ०५०येक सेमे०टर म० ३यूनतम एक बैठक आयो०जित होगी।

ख.संकाया०य० ॥॥॥ारा मंडल क५ िवशेष बैठक ०वयं पहल करके अथवा कुलपित क५ सलाह से या

०फ्रमंडल के पांचव० भाग क५ सं०या के सद०य० के िलिखत अनुरोध से आयो०जित क५ जा सकेगी।

िवशेष बैठक म० पूव० म० अधसूचित मद० के अित०र ०कसी अ३य मद पर िवचार नह० ढकया जाएगा।

6.गणपू०त(कोरम):

गणपू०त हेतु सिमित के कुल सद०य० के एक-ितहाई भाग काउपि०थत होना अनिवार्य० होगा।

7.सूचना :

सिमित क५ िवशेष बैठक के अलावा अ३य सभी बैठक० के िलए िनधा०रत ितिथ से 14 ढदन पूव० सूचना जारी करना आव०यक होगा।

8.काय०-िनयम :

सिमित क५ बैठक िविहतिविनयम० के अनुसारसंचालित ह०गी।

अध्यादेश ए-3

छातकोष्ठर अध्यायन मंडल (बोडिंग)के संदभङ्ग मः

(त्रिपुरा विविर्वालय अधिनयम, 2006 कऽ धारा 31(1)(जे)के अधीन संविध 16 के खंड (2) एवं (3) के साथ पढ़ा जाए)

1. गठन :

अध्यायक विभाग के लिए छातकोष्ठर अध्यायन मंडल का गठन निम्न प्रकार से ठकया जाएगा:

i. विभागाध्यक्ष;

ii. विभाग के सभी अध्यापक;

iii. वरिष्ठा एवं आवतङ्गान (रोटेशन) आधार परिवर्भाग के दो सह अध्यापक एवं दो सहायक

अध्यापक; iv. संबंधित संकाय के अध्यक्ष;

v. संकाय के अंतर्गत विभाग के साथ समान पाठ्यक्रम वाले विभाग से एक शिक्षक;

vi. संकाय समिति द्वारा नामित अधिकतम तीन सदस्य जो संबंधित विभाग के विषय-विशेषज्ञ

होंगे तथा जो इस विविर्वालय अथवा इससे संबंधित अथवा माउयता-अध्यापक महाविर्वालय के कामक नहल

होंगे। 2. कायङ्गकाल :

विभाग के अध्यक्ष एवं अध्यापक तथा संकायाध्यक्ष के अतिरिक्त सदस्य का कायङ्गकाल दो वर्षङ्ग काहोगा। येष

सदस्य का कायङ्गकाल दो वर्षङ्ग का होगा लेठकन यठद विभाग मः आवतङ्गान हेतु शिक्षक कऽ संय पयाङ्ग

नहल ह. तो सदस्य के तौर पर उठहः पुनः नामित ठकया जा सकता है।

3. अध्यक्ष :

विभागाध्यक्ष ही समिति के पदेन अध्यक्ष एवं समउयक होंगे।

4. कायङ्गकाल :

समिति के कायङ्गकाल निम्न प्रकार से होंगे :

क. विभाग द्वारा संचालित छातकोष्ठर पाठ्यक्रम तथा तसंबंधी पाठ्यपुस्तक/संदभङ्ग ग्रंथ कऽ

सूची कऽ अनुशंसा

संकाय मंडल को करना;

ख. एम. ठफल. एवं पीएच.डी. डिग्री के लिए शोध-विषय को अनुमोठदत करना;

ग. एम. ठफल. एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु चयिनत अध्यापक के साथ उनके शोध विषय संबंधी विवरण

तथा पयःपत्रावेत्तक के तौर पर नियुक्ति हेतु विभाग के शिर्षक के नाम कऽ अनुशंसा संकाय मंडल से करना; घ. छात्रकोष्ठ पर पाठ्यक्रम हेतु उप-प्रिनिमायिता तथा मॉडरेटर के साथ परीक्षा कऽ नियुक्ति कऽ अनुशंसा संकाय मंडल को करना तथा संबंधित पयःपत्रावेत्तक कऽ अनुशंसा पर एम.फल. लघु शोध संबंध एवं पीएच.डी. शोध संबंध के परीक्षा कऽ सूची कऽ अनुशंसा करना।

ड. शोधार्थी कऽ पीएच.डी. पूर्वज्ञासावज्ञाजनिक संगोष्ठी (उ.पी.पी. पीएच.डी. प्रिजलक सेमिनार) हेतु संकाय मंडल को बा विवशेष के नाम कऽ अनुशंसा करना, जिसे कुलपित को अनुमोदनाथज्ञा भेजा जाएगा;

च. संकाय मंडल, शिर्षक पदरपद, कायज्ञापदरपद तथा कुलपित द्वारा निर्दिष्ट अथ काय का भी संपादन। 5. गणपूतः :
गणपूत के लिए समित के कुल सदस्य का एक तिहाई भाग का उपस्थित होना आवश्यक होगा।

6. कायज्ञा विवरणः

मंडल कऽ बैठक का कायज्ञा-विवरण अग्र्य के पास रखा जाएगा।

7. कायज्ञा-नियमः

मंडल कऽ बैठक का संचालन विहितनियम के अनुसार होगा।

8. सूचनाः

मंडल कऽ बैठक हेतु निर्दिष्टिथ से 15 दिन पूर्व सूचना जारी करना आवश्यक होगी।

अज्ञादेश ए-4

छात्रक अज्ञायन मंडल के संदभज्ञा मः

(त्रिपुरा विविद्यालय अधिनयम, 2006 कऽ धारा 31(1)(पी)के अधीन)

संक्षिप्त शीषज्ञाकः

छात्रक ंतर पर पढ़ाए जाने वाले उपेयक विषय के लिए एक छात्रक अज्ञायन मंडल होगा।

1. गठनः

समित का गठन निम्नकार से होगा :

- संबंधित विभाग के अग्र्य पदेन अग्र्य हःगे;
- विभाग के उपज्ञापक;

- iii. वडस्ती एवं आवतभ्रान के आधार पर कुलपित ँनऱारा नामित विभाग का एक सह ँायापक एवं एक सहायक ँायापक;
- iv. संबं महाविवालय से संबंधित विषय मऱ सेवा-वडस्ती के आधार पर कुलपित ँनऱारा नामित पांच िशऱक;
- v. विभागायऱ कऱ अनुशंसा पर कुलपित ँनऱारा नामित दो बा सदंय, िजनमऱ से एक पूवऱरऱ से होगा।

ऐसे विभाग, जहाँ विवालय मऱ अयापन-कायभ्रान नहऱ होता है, उनके िलए ँातक अयायन मंडल का गठन ँकार से होगा :

- (i) तीन सदंय, जो ऱक सह ँायापक/सहायक ँायापक (वडरऱड) से नीचे के पद के नहऱ हऱगे, शैऱक पडरषड ँनऱारा िनयु ऱकए जांएगे, िजनमऱ से एक कऱ िनयु िकुलपित ँनऱारा बतौर अयायऱक जांएगी;
- (ii) संबं महाविवालय से संबंधित विषय के पांच िशऱक, जो संबंधित संकाय मंडल ँनऱारा नामित हऱगे;
- (iii) संबंधित संकाय मंडल के अयायऱ कऱ अनुशंसा से संबंधित विषय के दो बा विशेष िकुलपित ँनऱारा नामित ऱकए जांएगे, साधारण तौर िजनमऱ से एक पूवऱरऱ से होगा;

इनके अतडर, कोई ऐसा विषय, िजनका भारतीय विवालय मऱ ँातकोर ँतर पर अयापन नहऱ कराया जाता, के िलए आवंयक विषय-विशेष िता रखने वाले दो सदंय कुलपित ँनऱारा नामित हऱगे।

2. कायभ्रानकाल :

ँातक अयायन मंडल के सदंय का कायभ्रानकाल तीन वषभ्रान का होगा। इस अविध िनधाभ्रान िनयु के समय से ऱकया जायेगा।

3. अयायऱता :

जहाँ ँातकोर विभाग होगा, वहां उसके अयायऱ ही सिमित के अयायऱ भी हऱगे। जहाँ ँातकोर विभाग नहऱ है, वहाँ सिमित के भीतर से ही उसके सदंय ँनऱारा अयायऱ का चयन ऱकया जांएगा। सिमित ँनऱारा आयोजित सभी

बैठक कऽ अण्यैता अण्यै करुगे, ऐसी कोई बैठक िजनमथ अण्यै उपिंथत नहल रहथगे उनमथ उपिंथत सदंय अपने बीच से अण्यै का चयन करुगे।

4. कायऽ एवं अधिकारः

क. शैैिक पडरषद् को संबंिधत पाऽम केपाऽ-िववरण एवं आवंयक पाऽ-पुंतक कऽ अनुशंसा करना;

ख. शैैिक पडरषद् को णातक ंतर के पाऽम तथा तंसंबंधी िवषय के अण्यपन मथ गुणांमक सुधार के उपाय कऽ अनुशंसा करना;

ग. शैैिक पडरषद् को संबंिधत िवषय के िलए उपयुऽ-पु िनमाऽता समेत परीैक आड के नाम कऽ अनुशंसा करना;

घ. मंडल के समै णातकोर िवभागाण्यै, संकायाण्यै, शैैिक पडरषद्, कायऽकारी पडरषद् अथवा कुलपित ऽऽऽऽऽऽ ंेषित िवषय पर िवचार करना तथा तंसंबंधी िनणऽय से उऽहथ अवगत कराना;

5. बैठक :

क. मंडल कऽ बैठक का संयोजन अण्यै ऽऽऽऽऽऽ ऽकया जायेगा।

ख. अण्यै ऽऽऽऽऽऽ मंडल कऽ िवशेष बैठक का आयोजन ंवयं कऽ पहल अथवा संकायाण्यै के अनुरोध या ऽऽऽऽऽऽ कऽ सलाह अथवा मंडल के कम से कम चार सदंय कऽ िलिखत मांग पर ऽकया जा सकता है।

6. सूचना :

मंडल के बैठक कऽ सूचना कुलपित ऽऽऽऽऽऽ नांमित ंशासिनक अधिकारी ऽऽऽऽऽऽ जारी कऽ जाएगी।

7. गणपूत :

मंडल कऽ बैठक कऽ गणपूत के िलए सिमित के कुल सदंय कऽ एक-ितहाई उपिंथत आवंयक होगी।

8. कायऽ-िनयम :

मंडल कऽ बैठक का संचालन िविहत िविनयम के अनुसार होगा।

अण्यदेश ए-5

िव्यिवैालय एवं संबं महािवैालय मथ नामांकनके संदभऽ मथ

(िपुरा िव्यिवैालय अधिनयम, 2006 कऽ धारा 31(1)(ए)के अधीन)

1. विविध विद्यालय अधिनियम एवं संविधि तथा अय नियम के अन्वयान के पूर्वावधान के बिना ऐसा कोई भी छात्र छात्रातक अंतर के अथम डिग्री पाठम के लिए योग्य नहल होगा, जिसने अकूल ँ वंथा के लिए निधाअनहरत परीक्षा पठित के मायम से 12 वल तक कऽ पढाई सफलतापूर्वक पूरी न कर ली हो। नामांकन अडलया के लिए विविध विद्यालय अलनारा अधिसूचित पठित के अनुसार मैहरत के आधार पर छात्र का नामांकन होगा, जिसमथ समय-समय पर भारत सरकार/विविध विद्यालय अनुदान आयोग अलनारा अदए जाने वाले आरक्षण संबंधी निदलश का अनुपालन अकया जाएगा। छात्र का नामांकन विभाग मथ उपिथतिशिक कऽ संया एवं उपलुध संसाधन के अनुसार अकया जाएगा। संकाय के छात्रकोर पाठम मथ ऐसे छात्र नामांकन पाने के पल नहल हगे, जिअहने ँ-वषटय/चार-वषटय (जहां चार वषटय छात्रक पाठम है) डिग्री पाठम सफलतापूर्वक पूर्ण नहल अकया हो।
2. ऐसे अयथट, जो इस विविध विद्यालय या संबं महाविद्यालय/संथान मथ नामांकन लेना चाहते ह., उअहथ विविध विद्यालय के इस संबं मथ निधाअनहरत नियम और शत का पूर्णतया पालन करना होगा।

अयादेश ए-6

उपाधि, डिग्रीलोमा एवं अमाणपु के संदभअन मथ

(त्रिपुरा विविध विद्यालय अधिनियम, 2006 कऽ धारा 31(1)(डी)के अधीन)

विविध विद्यालय अलनारा लागू अयादेश एवं विनियम के अनुसार (आवश्यकतानुसार समय-समय पर अकरण-विशेष पर भी लागू) नििलिखत उपाधियाँ, डिग्रीलोमा एवं अमाण-पु अदान अकये जाएँगे:

- (i) दशअन-निग्रात, दशअनशाथ मथ डॉटरेट, विीान मथ डॉटरेट, साहिअय मथ डॉटरेट एवं विविध मथ डॉटरेट कऽ उपाधि;
- (ii) कला, विीान, कलुयूटर अनुअयोग, सूचना अौोिगिकऽ, वाणिअय, शिर्ाशाथ, विविध, कृषि, अबंधन अययन, भैषज विीान, औषिध, अभयांिकऽ, अौोिगिकऽ तथा समय समय पर यूजीसी अलनारा निधाअनहरत और शैिक पहरषद अलनारा अनुमोअदतइस अकार के अय विषय मथ छात्रकोर उपाधि;
- (iii) कला, विीान, वाणिअय कलुयूटर अनुअयोग, औषध विीान(फामअनकोलॉजी), शिर्ा, कृषि, औषिध(मेडिसन), अभयांिकऽ एवं विविध छात्रक उपाधि (सामाअय एवं अर्ति) तथा समय

समय पर यूजीसी द्वारा निधाकरण और शैक्षिक पदरपद्धति द्वारा अनुमोदित इस प्रकार के अत्र
विषय मंडल उपाधि;

(iv) कॉकबरक भाषा एवं साहित्य, बांस संवर्धन एवं संसाधन अनुसंधान मंडल उपाधिकोडर डिडलोमा तथा
समय-समय शैक्षिक पदरपद्धति द्वारा अनुमोदित इस प्रकार के अत्र के डिडलोमा;

(v) सिविल, यांत्रिक एवं विद्युत अभियांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना तैौौौगिक, कंप्यूटर
अनुसंधान, मेडिकल लैब टेक्नॉलॉजी, फैशन टेक्नॉलॉजी, खों संकरण तैौौौगिक मंडल डिडलोमा
तथा समय-समय शैक्षिक पदरपद्धति द्वारा अनुमोदित इस प्रकार के अत्र के डिडलोमा;

(vi) विभिन्न भाषा मंडल डिडलोमा एवं संमाणपत्र;

(vii) समय-समय पर शैक्षिक पदरपद्धति द्वारा अनुमोदित कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं अत्र पाठ्य
हेतु संमाणपत्र;

(viii) मानद उपाधियाँ तथा

(ix) समय-समय पर विविध विद्यालय द्वारा विभिन्न ावसायिक पाठ्यक्रम के लिए उपाधिकोडर एवं
उपाधि तर पर संचालित उपाधियाँ एवं डिडलोमा एवं
सर्टिफिकेट।

अनुयादेश बी-1

संकायानुयौ के कायकरण एवं अधिकार के संदभरण मंडल

(त्रिपुरा विविध विद्यालय अधिनयम, 2006 कड धारा 31(1)(पी)के अधीन खंड (3) के साथपढ़ा जाए)

संकाय के डीन संकायानुयौ होंगे तथा विभाग मंडल अनुयापन एवं शोध मानक कड गुणवत्ता के संचालन एवं
संरक्षण के जवाबदेह होंगे। अनुयापक के मण्य से वदस्ता एवं आवतकरण के आधार पर तीन वर्ष कड अविध के
लिए कुलपित द्वारा इनकड नियुक्ति कड जाएगी।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

9

संकायानुयौ के कायकरण एवं अधिकार निरुकार से होंगे :

क. विभाग के उँके अनुयौ के माण्यम से संकाय मंडल संपु होने वाले अनुयापन एवं शोध काय का
पयकरणवेक्षण व

समवय करना;

ख. विभाग के 300 के अर्थात् के माध्यम से संकाय मंथ अनुशासन बनाए रखना;

ग. आवश्यकतानुसार अंतरविवृत अयापन एवं शोध को प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक कदम उठाना;

घ. संकाय-मंडल अथवा शैक्षिक-पदरक्ष के निदेश के अनुपविर्वालय को संकाय के छात्रों के लिए

परीक्षा आयोजित करने का अनुशासन करना;

ड. छात्रों के स्त्रीय मूल्यांकन का अभिलेख रखना तथा परीक्षा का दृष्टि से सैद्धान्तिक कक्षा, प्रोटोकॉल,

संगोष्ठी अथवा प्रायोगिक कक्षा मंथ छात्रों का उपस्थित का रिकॉर्ड रखना;

च. संकाय के निष्काय व संतुष्टि को प्रभावी बनाने हेतु कदम उठाना;

छ. शैक्षिक पदरक्ष, कायका पदरक्ष अथवा कुलपित द्वारा सौंपे जाने वाले काय का निर्वहन करना।

अध्यादेश बी-2

विभागाध्यक्ष एवं उनके काय के संदर्भ मंथ

(त्रिपुरा विविर्वालय अधिनियम, 2006 का धारा 31(1)(पी) के अधीन)

1. कुलपित द्वारा आवतन के आधार पर प्रत्येक विभाग के प्राध्यापक मंथ से एक को अधिकतम तीन वर्ष के लिए

संबंधित विभाग के अध्यक्ष के पद मंथ नियुक्त किया जाएगा;

जिन विभाग मंथ सिर्फ एक प्राध्यापक होगा, या एक भी प्राध्यापक नहीं होगा; वहां कुलपित द्वारा उपलब्ध

रीडर मंथ से

अधिकतम तीन वर्ष के लिए एक ही एक का नियुक्ति बतौर विभागाध्यक्ष का जाएगा;

जिस का का नियुक्ति विभाग के अध्यक्ष के तौर पर का जाएगा, वह नियुक्ति का तिथि से देय अविध तक

बतौर विभागाध्यक्ष

कायकरत रहेगा, सिवाय कि वह नौकरी छोड़ दे अथवा विभागाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दे।

2. विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष के अलिखित सामाज्य निदेश के अनुसार कार्य करना करेगा:

क) विभाग मंथन अयापन एवं शोध कार्य का आयोजन करना;

ख) विभाग के शिक्षक को अयापन-कार्य आवंटित करना तथा विभाग के सुचारु पहरचालन के लिए उद्देश्य

अथ आवश्यक कार्य संपन्न;

ग) विश्व-उद्योग के लिए गठित विभागीय समितियों के कार्य का समन्वयन करना, तथा

घ) अथ ऐसे कार्य का निर्वहन, जो संकायाध्यक्ष, संकाय मंडल, शिक्षक पदरक्ष, कार्य पदरक्ष तथा कुलपित द्वारा संपे जाएंगे।

अध्यादेश बी-3

संकायाध्यक्ष कक्ष समित के संदर्भ मंथन

(त्रिपुरा विविद्यालय अधिनियम 2006 के अनुच्छेद 31(1) (जे) के अधीन संविधि 22 कक्ष उपधारा (1) के साथ पढ़ें)

1. लघुशेषक:

संकाय के मध्य अयापन एवं शोध के प्रतिमान मंथन समन्वयता स्थापित करने हेतु विविद्यालय द्वारा अययन संकाय के अध्यक्ष कक्ष एक समित निम्नित करेगी।

2. समित का गठन:

संकायाध्यक्ष कक्ष समित निम्न संयों से निम्नित होगी:

- | | | |
|------|----------------------|-----------------|
| i. | कुलपित | - अध्यक्ष(पदेन) |
| ii. | सम-कुलपित | - सदस्य(पदेन) |
| iii. | सभी संकाय के अध्यक्ष | - सदस्य |
| iv. | परीक्षा नियंत्रक | - सदस्य |
| v. | कुलसिचव | - सिचव |

3. कार्य:

इस सिमित के कायभ्रान् नि हंगे:

क)परीक्षा के आयोजन, पहरणाम मानक तथा शोध के संदभ्रान् मथ आवयक मुक्क पर विचार करना।

ख)संकाय एवं विभाग कऽ कायभ्रान्पित से संबंथित सामाअय ँशासनिक मुक्क पर विचार करना।

ग)कायभ्रान्-पहरषद ँनऽारा समानुदेशित अथवा कुलपित ँनऽारा संदभ्रान् अअय मुक्क पर विचार करना।

4.बैठक:

सिचव(कुलसिचव) ँनऽारा अय्यै कऽ अनुमित से बैठक कऽ सूचना जारी कऽ जायेगी।

5.गणपूत:

बैठक हेतु गणपूत कुल संया का एक-तिहाई होगी।

6.कायभ्रान् नियमावली:

बैठक आयोजित करने के नियम विविवालय के रेगुलेशन के अनुसार तय ठकए जाएंगे।

अय्यादेश बी-4

महाविवालय विकास पहरषद के संदभ्रान् मथ

(त्रिपुरा विविवालय अधिनयम 2006 के अनुच्छेद 31(1) (आई) के अतगभ्रान्त)

1.शीषभ्रान्क:

त्रिपुरा विविवालय मथ एक महाविवालय विकास पहरषद होगी। यह पहरषद विविवालय के संदभ्रान् मथ

महाविवालय के

अधिकार को सुनिित करने हेतु उठुरदायी होगी; साथ ही, महाविवालय मथ शैठिणिक एवं ँशासनिक

अतिमान के

संथापन मथ नेतृव ँदान करने का कायभ्रान् करेगी।

2.गठन:पहरषद मथ नि सदंय हंगे

1)कुलपित

-अय्यै(पदेन)

2)सम-कुलपित

- सदंय(पदेन)

3)कुलपित ँनऽारा बारी बारी से नामांठकत दो ँय्यापक/

- सदंय

सह-अय्यापक ठेणी के शिठिक, िजनमथ से एक विवालय

संकाय तथा एक कला एवं वाणिज्य संकाय का होगा।

4) कुलपित द्वारा सेवा कक्ष वस्तु के आधार पर सब

- सदस्य

महाविद्यालय से बारी-बारी से नामित तीन छात्राचार्य, निम्नलिखित

से एक सामान्य महाविद्यालय से, एक तकनीक महाविद्यालय

से तथा शेष एक वाणिज्य महाविद्यालय से होगा।

5) कुलपित द्वारा सेवा कक्ष वस्तु के आधार पर सब

- सदस्य

महाविद्यालय से बारी-बारी से नामित तीन शिक्षक, निम्नलिखित

से एक विज्ञान संकाय से, एक कला संकाय से तथा शेष एक

वाणिज्य/तकनीक/वाणिज्यिक विभाग से होगा।

6) राज्य के उच्च शिक्षा निदेशक

- सदस्य

7) परीक्षा नियंत्रक

- सदस्य

8) विद्युत अधिकारी

- सदस्य

9) अधीक्षक, छात्र कल्याण

- सदस्य

10) निदेशक, महाविद्यालय विकास परियोजना

- सदस्य

11) कुलसचिव

- सदस्य(पदेन)

Hkkx III μ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

11

3. कार्यकाल:

पदेन सदस्य के अतिरिक्त अन्य सदस्य का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

4. हरियर कक्ष पूरत:

कुलपित द्वारा बीमारी, निधन अथवा व्यागपू अथवा ठकसी अन्य कारण से शरीर को यथाशीघ्र भरने के लिए

जारी

कार्यवाही कक्ष जाएगी।

5. बैठक:

i) परियोजना कक्ष बैठक एक शैक्षणिक वर्ष में कम से कम दो बार अवैय आयोजित कक्ष जायेगी तथा

बैठक का

आयोजन सिचव द्वारा कुलपित कऽ सलाह से ढकया जायेगा।

- ii) कुलपित बैठक कऽ आयोजना करणगे। उनकऽ अनुपिठित मऽ सम-कुलपित बैठक के आयोजना हऽगे।

6.सूचना:

विश्व-बैठक के अतिरिक्त सामाज्य बैठक कऽ सूचना तय ितिथ से 21 ढदन पूर्व ङसाहरत कऽ जानी चाहिए।

7.गणपूत:

पहरषद कऽ वांतिवक सदंय संया कऽ एक-तिहाई उपिठित को बैठक कऽ गणपूत माना जायेगा।

8.कायङ्ग-विवरण:

सिचव द्वारा बैठक कऽ कायङ्गवाही का अभिलेख रखा जाएगा और तथा बैठक के बाद 15 ढदन के अंदर सदंय के

मंय िवतहरत

करा ढदया जाएगा।

9.कायङ्ग एवं अधिकार:

महाविंालय िवकास पहरषद के कायङ्ग एवं अधिकार िन हऽगे:

- (i) कायङ्ग-पहरषद कऽ ङधान परामशङ्गदांी सिमित के ऽप मऽ संबं महाविंालय से संबंधित मुं को शैिंक पहरषद के मांयम से अनुशंसा करना।
- (ii) संबं महाविंालय मऽ भवन संबंधी एवं शैिंक उपकरण कऽ उपयुता तथा पयाङ्गता के संबंध मऽ आकलन करना।
- (iii) संबं महाविंालय मऽ शैिंक कमङ्गचाहरय कऽ योयता एवं पयाङ्गता तथा उनकऽ सेवा शत का आकलन करना।
- (iv) महाविंालय मऽ छां कऽ आवासीय, कंयाण, अनुशासन एवं पयङ्गवेिण कऽ वंथा का िनरीिण करना।
- (v) महाविंालय के िनयिमत रखरखाव के िलए िवङ्गीय ङावधान कऽ पयाङ्गता का आकलन करना।

(vi) महाविद्यालय में मध्य सामाज्य शैक्षणिक एवं शैक्षणिक मानक में मध्य मितिक सुधार को देखते हुए शिक्षिका के विभिन्न

पहलु पर परामर्शपूर्ण सदान करना।

(vii) महाविद्यालय कक्ष और से विभिन्न विकास परियोजना को तैयार करना तथा महाविद्यालय के सवांगीण

विकास हेतु विभिन्न आयोजक संस्था को इसे सतुत करना।

(viii) शैक्षणिक परषद अथवा कुलपित कक्ष सलाह पर ससयेक दो शैक्षणिक वष में एक बार महाविद्यालय के

निररीण कक्ष वृथा करना, ताक ससयेक महाविद्यालय का अतन सफाइल तैयार सकयाजा सके तथा

निररीण सतवेदन पर अनुवत कायपूर्णवाही करना और आवस्यकतानुसार सकए जाने वाले उपाय

हेतु परामर्शपूर्ण

देना। निररीण दल के सदस्य कुलपित द्वारा नामांकक सकये जायगे।

(ix) समय-समय पर महाविद्यालय के शैक्षणिक सक्षण कक्ष समीक्षा करना तथा सुधार हेतु परामर्शपूर्ण देना।

(x) महाविद्यालय कक्ष शिक्षणेतर गितिविधय के ससोसाहन एवं विकास हेतु परामर्शपूर्ण सदान करना।

(xi) विविद्यालय के सक्षाननदश के अनुसार महाविद्यालय मध्य परीक्षा आयोजन कक्ष समीक्षा हेतु निररीण दल

कक्ष वृथा करना एवं आवस्यकतानुसार सकए जाने वाले उपाय हेतु परामर्शपूर्ण देना।

10. परषद के दैनिक सकयाकलाप का ननृपादन ननदेशक, महाविद्यालय विकास परषद द्वारा सकया जायेगा तथा वह विविद्यालय एवं संब महाविद्यालय के मयय विविद्यालय के ननदश के ससार तथा महाविद्यालय मु को सहन करने हेतु संपक अधिकारी के सप मध्य कायपूर्ण करेगा।

अन्यादेश बी-5

अधता, छा कयाण के सनदपूर्ण मध्य

(अनुच्छेद 31(1) (पी) के अधीन संविध कक्ष उपधारा 39 के साथ पदश)

1. विविधालय मं एक छात्र कऽ याण अधिाता होगा।

2. अधिाता, छात्र कऽ याण कऽ नियुक्ति कुलपित द्वारा विविधालय के छात्रायापक एवं सह-

छात्रायापक मं से कऽ जायेगी। नियुक्ति के उपरांत संबंधित छात्रायापक या सह-छात्रायापक द्वारा अपनी

सामाज्य सेवा के साथ-साथ छात्र-कऽ याण अधिाताका कायभ्रम करना होगा। अधिाता का सेवा-काल तीन

वर्षभ्रम कऽ अवधि का होगा तथा इसके बाद संबंधित छात्रायापक या सह-

छात्रायापक कऽ पुनःनियुक्ति भी कऽ जा सकती है।

3. अगर अधिाता, छात्र कऽ याण का पद हरे हो अथवा वह बीमारी, या ढकसी अज्य कारण से अनुपिंथत हो अथवा

अपने कायभ्रम निरुपादन मं असमथभ्रम हो, तब अधिाता के कतभ्रम का पालन कुलपित

द्वारा इस उंय हेतु नियुक्ति द्वारा ढकया जायेगा।

4. अधिाता छात्र कऽ याण के कायभ्रम एवं अधिकार-

क) अधिाता, छात्र कऽ याण छात्र पहरषद का अय्य होगा।

ख) अधिाता, छात्र कऽ याण छात्र के सामाज्य कऽ याण काय को देखेगा तथा छात्र के बौिक एवं सामाजिक

जीवन के मय मजबूत एवं फलदायी संबंध के लिए समुचित छात्रोसाहन रदान करेगा तथा अय्यन

क के बाहर के विविधालयीन जीवन के पहलु पर यान देगा, जो पहरष एवं जवाबदेह नागहरक

के मं मं उनके विकास एवं वृि मं योगदान दे सकं।

ग) अधिाता, छात्र कऽ याण अज्य बात के साथ साथ नि मु पर छात्र को सलाह एवं परामशभ्रम कऽ

वंथा करेगा;

i) छात्र निकाय कऽ वंथा एवं विकास करना।

ii) परामशभ्रम एवं छात्र ढददशभ्रम तथा नियोजन परामशभ्रम सेवायं।

iii) छात्र कऽ पांेतर एवं ढडडा गितिविधयं।

iv) छात्र को विवृीय अनुदान।

v) छात्र-संकाय तथा छात्र-शासन संबंध।

vi) छात्र के लिए ँवांय एवं चिढकंसा सेवायं।

vii) छात्र का आवासीय जीवन।

viii) छात्र के लिए देश मं और/अथवा विदेश मं आगे कऽ पढाई हेतु सुविधा कऽ वंथा;

तथा

ix) छात्र शैक्षिक ऋण, यद् कोई हो।

घ)अर्धिता, छात्र कऽयाण इस ऋकार के अधिकार का ऋयोग ऐसे काय के निऽपादन हेतु उपरोक्त उक्तैय को पाने के लिए कुलपित ऋऽारा समय समय पर समानुदेशित ऋकये जाने पर करेगा।

अऽयादेश बी-6

विऽिविऽालयीन छात्र के आवास के संदभऽण मऽ

(ऽिऽपुरा विऽिविऽालय अधिनयम, 2006 के अनुऽच्छेद 31(1) (एच) के अधीन)

1.उक्तैयः

विऽिविऽालय मऽ उन छात्र के लिए छात्रावास कऽ वऽथा होगी, ऽिजनकऽ बड़ी संऽया सुदूर ऽेऽ से आती है और नगर मऽ तथा विऽिविऽालय पऽरसर के इलाके मऽ ऋकराये के मकान मऽ निवास करती है। छात्रावास आवऽट्ट करने का उक्तैय है ऋकः क)छात्र को सौहाऽऽणपूणऽ आवासीय ऽथल ऋदान करना ताऽक वे ऽवयं को उऽ शिऽा हेतु समऽपत कर सकऽ।

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

13

ख)छात्र को समझदार एवं बौऽिक अभिभावक ऋदान करना, जबऽक वे एक संवेदनशील आयु मऽ अपने माता- पिता/अभिभावक से दूर रह रहे हऽ।

ग)छात्र को एक पऽरवार जैसे महौल मऽ साथ-साथ रहने का अवसर ऋदान करना ताऽक उनके मऽय पारऽपऽरक सहयोग तथा साथीपन कऽ भावना का विऽास हो सके।

घ)छात्र मऽ ऽवावलंबन कऽ ऽमता का विऽास करना।

2.छात्रावासः

ङ)विऽिविऽालय ऋऽारा छात्रावास का संचालनछात्र कऽ आवासीय आवऽयकता के अनुऽप ऋकया जाएगा।

च)सभी आवासीय कऽ (छात्रावास) का नामकरण विऽिविऽालय के निऽणऽयानुसार ऋकया जायेगा।

छ)ऽयेक छात्रावास वाडऽन के ऋभार मऽ होगा।

ज) ञेक छाावास िवर्िवालय ढराना िनधाभ्रत पंजिका एवं अभिलेख का रखरखाव करेगा और जैसा िवर्िवालय को आवंयकता होगी उस ञकार कऱ सांिकयऱ सूचनाएँ समय-समय पर उपलुध करायेगा।

झ) सभी छाावासिक को छाावास-िनयमावली के अनुसार अनुशासन का पालन करना होगा।

3. छाावास के वाडभ्रतः

i) िनयुिः छाावास के वाडभ्रत कऱ िनयुि कुलपित ढराना 3 (तीन) वषभ्र कऱ अविध के िलए कऱ जायेगी, िजसके िनयम एवं शत समय-समय पर कायभ्र-पहरषद ढराना िलए गए िनणभ्रय के अनुसार हगे। वाडभ्रत मानदेय के साथ ढकरायामु गैर-फनड आवासके पलु हगे, जैसा कायभ्र-पहरषद ढराना समय समय पर िनधाभ्रत ढकया जायेगा।

ii) वाडभ्रत के कायभ्र एवं अधकारः छाावास के वाडभ्रत का कायभ्र एवं अधकार का िनृपादन समय समय पर कुलपित ढराना समानुदेिशत ढकया जाएगा और ये अधाता, छा कऱयाण के परामशभ्र से कायाभ्रितवत होगा। कुलपित ढराना समानुदेिशत िविश-काय के अितहर वाडभ्रत के कायभ्र िन हगे;

क) वह आवासी छा के ँवाऱ्य, आरोयता, ँवृछता, सफाई एवं भोजन हेतु जवाबदेह होगा/होगी।

ख) वह सुनित करेगा/करेगी ढक उसके ञभार के अंतगभ्रत सभी रहवासी छाावास िनयमावली का पालन करे एवं अनुशासन एवं िशऱाचार बनाये रखे।

ग) वह समानुदेिशत छा के िलए कौठ का आवंटन करेगा/ करेगी तथा माता-पिता अथवा अभावक के ँथाई पते एवं ऐसी अऱय सूचना के साथ छा कऱ सूची तैयार करेगा/करेगी जैसी ढक समुचित ञाधिकाहरय को आवंयकता हो।

घ) वह रहवासी छा के दैनिक अभिलेख जैसे उनकऱ दैनिक उपिंथित रखेगा तथा उनकऱ अनुपिंथित के कारण के साथ-साथ छाावास से अनुपिंथित का रखरखाव करेगा/करेगी।

ङ) वह छाावास मऱ रह रहे छा के कदाचार, अनुशासनहीनता, बीमारी संबंधी ञकरण मऱ अधाता, छा कऱयाण को जानकारी देगा/देगी।

च) वह छाावास कऱ संपूणभ्र सुरा का जवाबदेह होगा तथा इसके िलए िवर्िवालय के सुरा अधकारी के साथ समवय ँथापित करेगा/करेगी।

छ) वह केयरटेकर के साथसमय-समय पर छाावास के फनटचर और ढफुटस का सयापन करेगा/करेगी तथा उनके मरमत/ठथानापु अथवा अतडर फनटचर ुा करने संबंधी कायडवाही करेगा/करेगी।

ज) उसके पास छाावास कूो के िनरीण का अधिकार होगा;

1. उसके पास छाावास के िलए समानुदेशित कमडवाडरय का ुशासिनक िनयंण होगा।

2. वह समाचारे-पू एवं पिका के चयन हेतु परामशड देगा/देगी तथा इन समाचार पू तथा पिका के डय के िलए केयरटेकर डडर िनमत िबल कड जाँच करेगा/करेगी।

3. ढकसी अाधिकृत अतिथि को रखने पर वह ुशासिनक कायडवाही कर सकेगा/सकेगी।

4. वह सामूहिक कू मथ अनुशासन एवं िशुाचार सुनि त करेगा/करेगी।

5. वह छाावास के सांकृतिक कायडम कड देखभाल करेगा तथा छाावास अनुदान से संवितरण को िनयमित करेगा/करेगी।

6. यडद रहवासी मेस-िबल नह देता है अथवा जो छाावास खाली कर जा चुके ह. अथवा छाावास से िनकाले जा चुके ह. तो वह ऐसे छाो कड भोजन सुविधायड बडद कर सकेगा/सकेगी।

4. िनरीण एवं ठथानीय सिमित

क.ुयेक छाावास के सुचा ुबंध हेतु वाडडन कड सहायता के िलए ँकिनरीण एवं ठथानीय सिमित होगी, िजसके सदंय के डप मथ िन हगे;

अ) वाडडन

– अयू

ब) िंफेट

– सदंय

स) छाावास से तीन सदंय िजनमथ से एक मेस ुबंधक/ सिचव होना चाहिए- सदंय

ख. ठथानीय सिमित कड िनयुि वाडडन के डडर कड जायेगी तथा इसका कायडकाल एक वषड का होगा।

अ) वाडडन डडर एक या एक से अधिक िनरीक कड िनयुि कड जायेगी, जोडक उडहथ इस ुकार से

कायड सपेगा, ताडक छाावास कड कायडुणाली सुचा डप से चलाई जा सके।

ब) िनरीक का कायकाल एक वषका होगा और उसे छाावास मः मुत आवास कः सुविधा ेदान कः जायेगी और इस कायकाल के दौरान उसे एचआरए (आवास ढकराया भूा) नहः ेदान ढकया जायेगा।

अयादेश बी-7

अनुदेश एवं परीा के मायम के संदभका मः

(िपुरा िविविालय अधिनयम, 2006 के अनुच्छेद 31(1) (सी) के अधीन)

शैीक िवभाग के शोध एवं अययन कायकालमः मः अनुदेश एवं परीा का मायम अंजी होगा, जब तक ढक िविविालय ःारा कोई और िनणकाय नहः िलया जाता।

साहिंय के िवषय मः अनुदेश एवं परीा कः मायम-भाषा संबंधित साहिंय-िवशेष कः भाषा ही होगी जब तक ढक िविविालय ःारा कोई और िनणकाय नहः िलया जाता।

अयादेश बी-8

दीांत-समारोहके संदभका मः

(िपुरा िविविालय अधिनयम, 2006 के अनुच्छेद 31(1) (डी) के अतगत संविध 32 एवं 27(1) के साथ पढ़ः)

1.वाकषक दीांत-समारोहः

ेके वषका एक दीांत समारोह का आयोजन िविविालय कः उपाधि, िडलोमा एवं अय िविशसमान ेदान करने हेतु कायकाल-पहरषद के ःारा तय ितिथ व ंथान पर कुलाधिपित के पूवका अनुमोदन से ढकया जायेगा।

उस वषका दीांत समारोह आयोजित नहः हो पाता है तो यढद कुलपित को यह अधिकार होगा ढक वह सफल अ यथय को संबंधित उपाधि के िबना ेवेश लेने हेतु ेाधिकृत करे तथा कुलसिचव को ेाधिकृत करेगा ढक वह उचित शुःक जमा करने पर उपाधियाँ जारी करे।

2.िविशदीांत-समारोहः

शैीक पहरषद कः अनुशांसा पर कायकाल-पहरषद ःारा कुलायी(िविजटर) के पूवका अनुमोदन से तय कः गई ितिथ मः िवशेष पहरिंथितय के अंतगत ढकसी मानद उपाधि ेदान करने हेतु िविशदीांत-समारोह का आयोजन ढकया जा सकता है।

3.सूचनाः

क)कुलसिचव ँनऱा दीँांत-समारोह कऱ बैठक के िलए कम से कम 4 सूाह पूवऱा सूचना दी जानी चाहिए।

ख)कुलसिचव ँनऱा दीँांत-समारोह के सभी सदंय को सूचना देने के साथ-साथसमारोह के आयोजन कऱकायऱिविध कऱ जानकारी भीदी जानी चाहिए।

ग)वे अ यथऱ दीँांत-समारोह मऱ शामिल होने के पाू हगे, िजऱहने उसी वषऱा अपनी परीँा उछीणऱा कऱ है, िजस वषऱा के िलए दीँांत का आयोजन ढकया जा रहा है।

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k

15

4.ँदान कऱ जाने वाली उपाधियाँ एवं पदक/िडोलोमा तथा ँमाण पऱ:

क)मानद उपाधि/ िविशऱपदक

ख) डॉटर कऱ उपाधि

ग)माँटर कऱ उपाधि

घ)गतकोर उपाधि

ङ)गतक उपाधि

च) पदक एवं ँमाण पऱ

5.आवेदन:

क)दीँांत-समारोह मऱ ँवयं उपिँथत होकर उपाधि ँाू करने हेतु अ यथऱ को अपना आवेदन िविहत शुऱक के साथ िविहत ितिथ को अथवा उसके पूवऱा, कुलसिचव को ँँतुत करना चाहिए।

ख)अ यथऱ जो वैयिक ँप से दीँांत मऱ उपिँथत होने मऱ असमथऱा ह., उनकऱ उपाधि कुलपित

ँनऱा ँवीकार कऱ जायेगीतथा अ यथऱ ँनऱा उसे आवेदन के साथ िविहत शुऱक का भुगतान करके

कुलसिचव सेँाू ढकयाजा सकेगा।

6.शुऱक:

दीँांत पर उपाधि के ँवेश हेतु वैयिक ँप से उपिँथित का शुऱक200/- तथा उपिँथित के बगैर दीँांत मऱ उपाधि के िलए शुऱक 300/- होगा।

7.मानद उपाधि:

मानद उपाधि केवल दीँांत-समारोह के दौरान ही ँदान कऱ जायेगी तथा उसे वैयिक ँप से उपिँथित होकर अथवा उपिँथित के बगैर भी ँाू ढकया जा सकेगा।

8. ॐा॒क्रता॒ङ्गानां का ॐ॒तु॒तितकरणः

क)जि॒ह॒श दी॒र्घा॒न्त म॒थ मानद उपा॒धि/वि॒श-पदक ढदए जाने ह., उन ॒ ि॒य॒ का ॐ॒तु॒तितकरण
कुलपित से कुला॒धिपित को अथवा कुला॒धिपित कऽ अनुपि॑थित म॒थ
व॒ह॒स्तिम संकाया॒य से कुलपित को ढकया जाना है।

इसके बाद मानद उपा॒धि/वि॒श-पदक के ॐा॒क्रता॒ङ्गानां को ॐ॒तु॒त करने वाला वह अधिकारीअ॒य॒ को संबो॑धित करते शए कहेगा ढक, “महोदय काय॒ङ्गानां-प॒ह॒रषद ँ॒न॒रा अनुशं॑सित तथा कुला॒धिपित ँ॒न॒रा अनुमो॑ढदत कऽ मानद उपा॒धि ॐ॒दान करने हेतु आपके स॒मुख ॐ॒तु॒त करते शए मुझे ह॒ष॒ हो रहा है” तथा अपने विवेका॒धिकार से वह इस ॐ॒कार कऽ अ॒य ढटो॑पिण्याँ जोड़ सकता है, जि॒ह॒श वह ॐा॒क्रता॒ङ्गानां को उ॒ स॒मान हेतु चयि॑नत कऽ गई उपलि॒धय॒ के ि॒लए उपयु॒ समझ॑ता है।

कुला॒धिपित अथवा कुलपित जैसी ि॑थित हो इसके उपरा॒त कह॑शगे “॒पु॒रा वि॒वि॒वालय कऽ कोट॒ङ्गानां/काय॒ङ्गानां-प॒ह॒रषद आपको मानद उपा॒धि ॐ॒दान करते शए ॐ॒सूता का अनु॑भव कर रही है।” और अपने विवेका॒धिकार से वह इस ॐ॒कार कऽ अ॒य ढटो॑पिण्याँ जोड़ सकता है, जि॒ह॒श वह ॐा॒क्रता॒ङ्गानां को उ॒ स॒मान हेतु चयि॑नत कऽ गई उपलि॒धय॒ के ि॒लए उपयु॒ समझ॑ता है।

मानद उपा॒धि एवं वि॒श-पदक का पुरं॑कार ॐ॒दान करने के बाद कुलपित महोदय कह॑शगे ‘माननीय कुला॒धिपित महोदय, ॐ॒ति॒ति अति॑थगण, वि॒वि॒वालय समुदाय के सद॑यगण, दे॒वियो एवं स॒नो! अब हम वि॒भि॒परी॑ता॒ म॒थ स॒फल रहे उन छा॒ को डॉ॒टर एवं मा॑ंटर कऽ उपा॒धि तथा एत॑को॒र एवं एत॑क ि॒डो॒लोमा तथा ॐ॒माण प॒ ॐ॒दान करने के मह॑व॒पू॒ण एवं ॐ॒भाव॑शाली पड़ाव पर आ प॒श॑चे ह., जि॒ह॒श इसके ि॒लए उपयु॒ पाया गया है। इन सभी उपा॒धिय॒, ि॒डो॒लोमा तथा ॐ॒माण प॒ को समु॑चित शै॒णिक ॐा॒धिकारी तथा कोट॒ङ्गानां/काय॒ङ्गानां-प॒ह॒रषद ँ॒न॒रा अनुशं॑सित ढकया गया है।

ख)डॉ॒टस॒ङ्गानां कऽ उपा॒धि के ि॒लए अ॒य॒थय॒ कोसंकाय॑वार ॐ॒तु॒त ढकया जायेगा यथा सा॒हि॒य,

ॐा॒कृ॒तिक वि॒ान, समाज वि॒ान, वि॒क॒सा वि॒ान, वा॒णि॒य, अि॒भयां॒िकऽ, एवं..... जैसा ढक सं॒वि॒ध म॒मानु॑सार ढदया गया है।

i) छातकोर अणयन के सभी संकायायि बारी-बारी अपने डॉटसभा उपाधि लेने वाले अ यथय से कहगे, “.....क उपाधि ेा करनेजा रहे सभी अ यथगण!कृपया खड़े ह जाँ तथा वे तब तक खड़े रहगे जब तक ढकम. उह अपनी सीट पुन: ळहण करनेके िलए न कबँ?”

ii) संकायायि कुलपित से कहगे, “ महोदय, म. आपको डॉटर ऑफ..... (यहाँ समुचित उपाधि दशाई जाय) क उपाधि के िलए अ यथ ेतु करता बँ तथा म. ेाथना करता बँ ढक वह उपाधि िजसके िलए

उनक अनुशंसा क गई है वह उह ेदान क जाय” उसके बाद संकायायि अ यथय से कहगे “कृपया बैठ जाँ।”

iii) जब डॉटसभा उपाधि के सभी अ यथ संबंधित संकायायि ँनारा ेतु ढकये जा चुके ह, तो कुलपित कहगे, “ या सभी अ यथ, जो ढक डॉटसभा उपाधि हेतु ेतु ढकये गये, कृपया खड़े हगे?” (ठहरकर)। िपुरा िविविालय क कायना-पहरषद आपको अनुशंसित क गई उपाधि ेदान करने पर ेतु अनुभव करती है और इससे संबंधित सभी अधिकार एवं सुविधाँ आपको ेदान करती है। म. इस िविविालय के कुलपित के ण म आपकी जीवनभर के िलए ेदान ढकये गये उ अधिकार सपता बँ और आपको इसके योय ेदशान करने को कहता बँ। “कृपया बैठ जाँ।” इसके बाद अ यथ अपनी सीट पर बैठगे।

ग) माँटसभा उपाधि एवं छातकोर िडलोमा और ेमाणपू के िलए अ यथ संकायवार संबंधित छातकोर िवभाग के िवभागायि ँनारा ेतु ढकये जायगे।

iv) ेयेक छातकोरिवभाग के अयि अ यथय से कहगे, “िविविालय/महािविालय क माँटसभा ऑफ/िडलोमा इन...../सिटफकेट इन क “.....क उपाधि ेा करनेजा रहे सभी अ यथगण!कृपया खड़े ह जाँ तथा वे तब तक खड़े रहगे जब तक ढकम. उह अपनी सीट पुन: ळहण करनेके िलए न कबँ?”

i) िवभागायि तब कुलपित से कहगे/कहगी, “महोदय, म. आपको माँटसभा ऑफ/िडलोमा इन...../सिटफकेट इन क उपाधि के िलए अ यथ ेतु करता बँ तथा म. ेाथना करता बँ ढक वे उपाधि/िडलोमा/ेमाणपू, िजनके िलए इनक अनुशंसा क गई है

इ3हश ॰दान/पुरंकृत ढकए जाएँ” उसके बाद संकाया॑यँ अ॑ य॒थय॑ से कह॒शगे/कह॒शगी, “कृपया ब॒ठ जाएँ।”

v)जब माँटस॒ण॑ उपा॑ध एवं ँतको॒र िड॑लोमा एवं ॰माण प॒ के सभी अ॑ यथ॒ ॰तुत ढकये जा चुके ह॑ तो कुलपित कह॒शगे,“ ॑या सभी अ॑ यथ॒, जो ढक डॉ॒टस॒ण॑ उपा॑ध हेतु ॰तुत ढकये गये, कृपया खड़े ह॑गे?”(ठहरकर)। ि॒पुरा िव॒वि॒व॒ालय क॒ क॒ोट॒ण॑/काय॒ण॑-प॒रषद आपको अनुशंसित क॒ गई उपा॑ध ॰दान करने पर ॰सूता अनुभव करती है और इससे संबंधित सभी अधिकारएवं सुविधाएँ आपको ॰दान करती है। म. इस िव॒वि॒व॒ालय के कुलपित के ॒प म॒ आपको जीवनभर के िलए ॰दान ढकये गये उ॒ अधिकार स॒पता ढँ और आपको इसके यो॒य ॰दश॒ण॑न करने को कहता ढँ। (त॒काल अ॑ यथ॒ झुककर ँवीकर कर॒शगे!)“कृपया बैठ जाएँ।” इसके बाद अ॑ यथ॒ अपनी सीट पर बैठ॒शगे।

घ)उपा॑धय॑ एवं माँटस॒ण॑ उपा॑ध एवं ँतको॒र िड॑लोमा एवं ॰माण प॒ ॰दान करने के बाद कुलसिचव परी॒ा तथा अ॒य ॰तियोगिता॑ को प॒रणाम॑ के पुर॒ंकार॒व॒प पदक ॰ा॒कता॒ण॑ के नाम पुकार॒शगे ॰येक अ॑ यथ॒ िजसका नाम पुकारा जायेगा वह अ॑यँ(कुला॑धपित या कुलपित) के हाथ अपना पदक ॰ा॒ करेगा/करेगी।

ङ)इसके बाद कुलसिचव ँतक महा॑वि॒व॒ालय के ॰ा॒चाय॑ के नाम, उनके महा॑वि॒व॒ालय के अ॑ य॒थय॑ के ॰माण प॒ ॰ा॒ करने हेतु पुकार॒शगे इसके प॒ ँत ॰येक ॰ा॒चाय॑, िजसका नाम पुकारा गया है, वह कुलपित क॒ ओरसे ॰माण प॒ के पैकेट ॰ा॒ करने जायेगा/जायेगी।

च)ढकसी संकाय के अ॑यँ के अनुपि॑थित म॒ उस संकाया॑यँ का काय॒ण॑ कुलसिचव ँ॒रा संपा॑दत ढकया जायेगा।

9.स॒ हेतु काय॒ण॑विध

क)कुला॑धपित, मु॒य अति॑थ, कुलदे॑शिक, कुलपित, समकुलपित, कुलसिचव, संकाया॑यँ, िव॒वि॒व॒ालय ॰ा॑धिकारी के सद॑य तय समय म॒ एक बैठक कँ॒ म॒ एक॒ ह॑गे तथा िव॒वि॒व॒ालय ँ॒रा तय अपना िवि॒ष॒प॒रधान पहन॒शगे।

ख)सभी िन्म से जुलूस के ॒प म॒ दी॒ांत कँ॒ क॒ ओर ॰॒थान कर॒शगे

i)कुलसिचव

ii)िव॒वि॒व॒ालय के कुला॑यँ(िविजटर) य॒द उ॒पि॑थत ह. तो

iii)कुलदेशिक(चीफ रेक्टर)

iv)कुलाधिपति

v)मुख्य अतिथि

vi)कुलपति

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

vii)सम-कुलपति

viii)अतिथि एवं पूर्वभ्रम कुलपति

ix)द कोटभ्रम

x)कायभ्रम पहरषद

xi)शैलिक पहरषद

xii)संकायाय्य

xiii)एतकोर विभाग के विभागाय्य

xiv)परीक्षा नियंत्रक

xv)विद्यु अधिकारी

xvi)निदेशक, महाविद्यालय विकास पहरषद

xvii) ग्रंथपाल

ग)जब जुलूस दीर्घांत की मधुवेश करेगा तो सभीअ यथट एवं उपिथत दशभ्रम खड़े हो जाएंगे और तब तक खड़े रहथगे, जब तक ठक जुलूस के सभी सदंय उनके लिए आरिंत सीट पर बैठ न जायथ।

घ)कुलाधिपति अथवा उनकऽ अनुपिथित मधु कुलपति दीर्घांत कऽ अय्यता करथगे।

ङ)दीर्घांत की मधु अय्यता कर रहे कुलाधिपति अथवा कुलपति, दीर्घांत के आरंभ हेतु कहथगे, “म. दीर्घांत-समारोह आरंभ करने कऽ घोषणा करता हँ।” यठद कोई दीर्घांत एक स्रु से अधिक चलता है तो कुलाधिपति या कुलपति जो भी वहाँ अय्यता कर रहे ह, अंतिम स्रु के अलावा ँयेक स्रु कऽ समाि्र पर कहथगे “ म. तक दीर्घांत के ँथगन कऽ घोषणा करता हँ।”

च)दीर्घांत-समारोह का कायभ्रम पिव्रु गीता के पाठ और ँवागत गीत के साथ आरंभ होगा।

छ)कुलाधिपति / कुलपति इस अवसर के अनुष्ठप श्रुद ँरा मुख-वका का पहरचय दथगे तथा उथथ

दीर्घांत-संबोधन

हेतु आमंत्रित करणगे। यद्द अण्यौ चाहण तो

यह संबोधन पदक के वितरण समापन के बाद ठकया जा सकता है।

ज)इसके बाद

कुलपित विविवालय का वाक्क ँतवेदन ँतुत करणगे।

झ)अधिकारी मानद उपाधिय /अडय उपाधिय/ँमाण पड/ पदक को ँा करणे हेतु उपिंथत

ँाकताक को

अनुच्छेद 8 मण दशाकये ढम के अनुसार

ँतुत करणगे और कुलपित उडहण संबंथत उपाधि ँदान करणगे।

अ)कुलदेशक(चीफ रेटर) दीर्घांत को संबंथत करणगे।

ट)कुलाधपित अपना अण्यौय संबोधन दणगे/दणगी।

ठ)दीर्घांत के समापन हेतु कुलसिचव धडयवाद णापन ँतुत करणगे। कुलाधपित अथवा कुलपित जो भी

अण्यौता

कर रहे ह, कहणगे, “म. दीर्घांत-समारोहसपु होने

कड घोषणा करता ढा।”

ड)इसके बाद रमान गाया जायेगा, इस दौरान दीर्घांत के सभी सदंय एवं दशक खडे रहणगे।

ढ)आखर मण जुलूस दीर्घांत-कौ से उसी ढम मण विदा होगा, िजस ढम मण उसने ँवेश ठकया था।

जुलूस के दीर्घांत

कौ छोड देने तकसभी उपाधि-

ँाकताक तथा दशक खडे रहणगे।

अण्यदेश बी-9

विविवालय एवं उसके महाविवालय के मणय अनुशासन बनाए रखने और समुचित आचार हेतु अनुशासन सिमित के

संदभक

मण

(िपुरा विविवालय अधिनयम, 2006 के अनुच्छेद 31(1) के अधीन संविध 29 के खंड (1),(6)और (7) मण पढा

जाय)

1.शीषक:

विविवालय और संबंथत महाविवालय के छाड मण अनुशासन बनाए रखने एवं समुचित आचार हेतु

विविवालय मण एक अनुशासन सिमित होगी।

2.सदंय:

अनुशासन सिमित िन सदंय ढारा िनमत होगी

1.कुलपित -अण्यौ

2.समकुलपित -सदंय

3.संकाय के अयंय - सदंय

4.अध्ता, छा क, याण

5.छाावास वाडन (िवशेष आमंित, यद - सदंय

छाावास से संबंथित मुा बैठक मथ रखा जाता है।)

6.िनदेशक, महािवंालय िवकास पदरषद - सदंय

7.परींा िनयंक - सदंय

8.कुलानुशासक(ोटर) -सदंय सिचव

3.कायन एवं अधकार:

i) घोषणा के प मथ कुछ अनुशासन िनयम का िनमाण करना तथा अनुशासन ींेाधिकार सुनि त करना

जिस पर सभी छा से ेश के समय हंतांर ठकया जाना है।

ii) कीा/कायनलय/लंथागार/ेीागृह/परींा के 3 मथ छा के कदाचार से संबंथित अथवा िविवंालय के

िशंक के ्रत अथवा ठकसी कमनचारी के ्रत दु. नवहार के मु पर िवचार करना।

iii) िविवंालय मथ अनुशासन संबंधी सपूण िंथित क समय समय पर समींा करना।

iv) कुलानुशासक/छाावास वाडन िनारा क गई कायनवाहिय पर िवचार कर सिमित उसक पुिकर सकती है

या िनणय मथ पदरवतन कर सकती है।

4.िववाद ्रकरण:

अनुशासन सिमित का िनणय अंतिम व बायकारी होगा।

5.गणपूत(कोरम):

बैठक मथ कुल सदंय क एक ितहाई सदंय क उपिंथ

ओ. एस. अधकारी, कुलसिचव

[वि.पन- III/4/असा./297 (380-बी)]

TRIPURA UNIVERSITY**NOTIFICATION**

Tripura, the 11th November, 2016

No. F. 37-3/2009-Desk(U).—The following is published for general information :—

THE FIRST ORDINANCES

(Under the Tripura University Act, 2006; No. 9 of 2007)

(As approved by the Ministry of Human Resource Development, New Delhi

Vide No. F. 37-3/2009-Desk(U) dated 1st May, 2012)

Ordinance A-1**On the assignment of Departments/Centres to the Board of Faculties of Studies**

(Under Subsection 31 (1) (P) of the TU Act, 2006 read with Clause 5(a) of Statute 15)

The Departments/ Centres mentioned under each faculty shall be assigned to that faculty as and when they are established:

Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

19

1. The Faculty of Literature:

- i. Department of English
- ii. Department of Bengali
- iii. Department of Hindi
- iv. Department of Sanskrit
- v. Department of Linguistics
- vi. Department of Comparative Literature
- vii. Centre for Kokborok and Tribal Languages

2. The Faculty of Natural Sciences:

- i. Department of Physics
- ii. Department of Chemistry
- iii. Department of Mathematics
- iv. Department of Statistics
- v. Department of Botany
- vi. Department of Zoology
- vii. Department of Human Physiology
- viii. Department of Geography and Disaster Management

3. The Faculty of Social Sciences

- i. Department of Applied and Analytical Economics
- ii. Department of History
- iii. Department of Political Science
- iv. Department of Philosophy
- v. Department of Sociology
- vi. Department of Public Administration
- vii. Department of Psychology
- viii. Department of Rural Management and Development
- ix.

Department of Education

- x. Department of Gandhian Studies
- xi. Centre for Women Studies
- xii. Centre for Tribal Studies
- xiii. Centre for Study of social Exclusion and Inclusive Policy

4. The Faculty of Medical Sciences

- i. Department of Anatomy
- ii. Department of Pharmacology
- iii. Department of Physiology
- iv. Department of Medicine
- v. Department of Pediatrics

- vi. Department of Medical Biochemistry
- vii. Department of Obstetrics & Gynecology
- viii. Department of Pharmacy
- ix. Department of Eye, Nose and Throat
- x. Department of Dermatology and Venereology
- xi. Department of Surgery
- xii. Department of Forensic Science
- xiii. Department of Psychiatry
- xiv. Department of Nursing
- xv. Centre for Human Genetic Diseases and Immunological Studies
- xvi.

Centre of Exploration of Herbal Drugs

5. The Faculty of Commerce, Law, Management and Information Science:

- i. Department of Commerce
- ii. Department of Business Management
- iii. Department of Law
- iv. Department of Library and Information Science
- v. Department of Journalism and Mass Communication

6. The Faculty of Engineering and Technology:

- i. Department of Computer Science & Engineering
- ii. Department of Computer Applications
- iii. Department of Electrical Engineering
- iv. Department of Mechanical Engineering
- v. Department of Civil Engineering
- vi. Department of Electronics and Communication in Engineering
- vii.

Department of Production & Industrial Engineering

- viii. Department of Information Technology

7. The Faculty of Agricultural and Animal Sciences & Forestry:

- i. Department of Agriculture
- ii. Department of Forestry and Biodiversity
- iii. Department of Horticulture
- iv. Department of Fishery
- v. Department of Veterinary and Animal Sciences

8. The Faculty of Music and Fine Arts:

- i. Department of Music
- ii. Department of Fine Arts

9. The Faculty of Physical Education:

- i. Department of Physical Education

10. The Faculty of Interdisciplinary and Applied Sciences:

- i. Department of Biochemistry
- ii. Department of Microbiology

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

21

- iii. Department of Molecular Biology and Bioinformatics
- iv. Department of Food technology and Food Processing
- v. Department of Biotechnology
- vi. Department of Ecology and Environmental Science
- vii. Department of Polymer Science

And, any other Department that may be approved by the Academic Council and Executive Council of University from time to time.

Ordinance A-2

On the Board of Faculty of Studies

(Under Section 31(1) (j) of the TU Act, 2006 read with
Clause (3) of Statute 15)

1. Construction:

The Board of the Faculty of Studies shall consists of

- i. The Dean of the Faculty;

- ii. The Heads of the Departments/ Centres in the Faculty;
- iii. All Professors in the Faculty;
- iv. One Associate Professor and one Assistant Professor from each of the Departments/ Centres by rotation on the basis of seniority;
- v. Two teachers of the concerned departments of the faculty from affiliated colleges to be nominated by the Vice-Chancellors on the basis of seniority in college service;
- vi. Five persons nominated by the Academic Council who have specialized knowledge and expertise in the subjects (of the faculty) and who are not employees of the University or of any of its affiliated or recognized institutions' and
- vii. One representative from each of the other faculties which have inter-disciplinary work with the faculty concerned on the subject area to be nominated by the Vice-Chancellor on the recommendations of the respective faculty.

2. Terms of the office:

The terms of the office of the members, other than that of the Dean, Heads of the Departments and Professors shall be two years.

3. Chairperson:

The Dean of the Faculty of Studies shall be the chairperson of the Board of faculty and shall convene the meeting of the Board.

4. Powers and Functions:

The powers and functions of the Board shall be as follows:

- a.to recommend to the Academic Council the various courses of study offered by the Departments/ Centres in the faculty'
- b.to prescribe the qualifications for and procedure for admission of candidates to the various courses of study in the departments/ centres in the faculty;
- c.to consider the applications of candidates for admission to the courses of research offered by the Departments/ Centres in the faculty leading to Ph.D. degree;
- d.to consider and recommend the M.Phil programme of the candidates in the Departments/ Centres in the faculty;
- e.to frame general rules for the evaluation of sessional works;
- f.to co-ordinate the time-tables (academic calendars) of the Departments/ Centres of the faculty;
- g.to consider proposals regarding the welfare of the students of the faculty;
- h.to co-ordinate the teaching and research work in the Departments/ Centres in the faculty;
- i. to consider schemes for the advancement of teaching and research in the faculty, and to submit such proposals to the Academic Council;
- j. to recommend to the Academic Council the creation and abolition of teaching posts after considering proposals received from the Departments/ Centres;
- k.to recommend examiners for appointment for the courses other than research degrees, offered by the Departments on the recommendation of the Board of Studies of the concerned Departments;
- l. to recommend introduction, alternation and revision of syllabi of courses in the research degrees, offered by the Departments on the recommendation of the Board of Studies of the concerned Departments/ Centres;
- m.to recommend to the Academic Council the names of examiners for the evaluation of thesis after considering proposals received in this regard from the Departments/ Centres;
- n. to consider the reports of the examiners appointed for adjudication of the thesis of the candidates for the award of research degrees and make suitable recommendations;
- o.to appoint committees to organize the teaching and research work in subjects or areas which are of interest to more than one Departments or Centres of the faculty, or which do not fall within the spheres of any Department or Centre, and to supervise the work of such committees, the composition, powers, and functions of such committees shall be prescribed by the regulations;

p.to delegate to the Dean or to any member of the Board or to a committee such general or specific powers as may be decided upon by the Board from time to time; and

q.to perform all other functions which may be prescribed by the act, the Statutes and the Ordinances, and to consider all such matters as may be referred to it by the Executive Council, the Academic council or the Vice-Chancellor.

5. Meeting:

a. The Board shall hold at least two ordinary meetings in each academic year, one in each semester.

b. The Dean may convene special meetings of the Board at his own initiative or at the suggestion of the Vice-Chancellor or on a written request from at least one-fifth of the members of the Board.

No item other than these notified earlier shall be discussed at the special meetings;

6. Quorum:

The quorum for a meeting of the Board shall be one-third of its members;

7. Notice:

Notice for a meeting of the Board, other than a special meeting shall be issued at least 14 days before the date fixed for the meeting;

8. Rules of Business:

The rules for the conduct of meetings of the Board shall be prescribed by the regulations.

Ordinance A-3

On the Board of Post-Graduate Studies

(Under Section 31(1) (j) of Tripura University Act, 2006 read with
Clause (2) & (3) of Statute 16)

1. Construction:

The Board of Post-Graduate Studies for each department shall comprise :

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

23

- i The Head of the department;
- ii. All Professors of the department;
- iii. Two Associate Professors and two Assistant Professors of the Department on the basis of seniority by rotation;
- iv. Dean of the faculty concerned;
- v. One teacher each from other Departments within the faculty having common courses with the Department;
- vi. Not more than three persons nominated by the Board of faculty who have specialized knowledge in the discipline of the concerned Department and who are not employees of the university or any of it's affiliated or recognized institutions.

2. Term of office:

Other than the Head and Professors of the Department and the Dean of the faculty the term of the office members shall be two years. However, such members who are the members of the Department can be re-nominated if the number of teachers in the department is not enough for rotation.

3. Chairperson:

The Head of the Department shall be the convener and ex-officio Chairperson of the Board.

4. Functions:

Functions of the Board shall be:

- a.to recommend to the Board of faculty, the Post-Graduate courses of studies offered by the Department and the text books/ reference books of the courses;
- b.to approve the subjects for research for M.Phil and Ph.D. degrees;

- c.to recommend to the Board of faculty the names of the student candidates for M.Phil and Ph.D. programmes along with the details of the subjects of research and names of teachers in the Department to be appointed as supervisors of research;
- d.to recommend to the Board of faculty the appointment of examiners including paper setters and moderators for the post-graduate courses and list of examines for M.Phil dissertations and Ph.D. thesis on the recommendation of the supervisor concerned;
- e.to recommend to the Board of faculty names of outside expert members for Pre-Ph.D. public seminars of the candidates for approval of the Vice-Chancellor;
- f.to perform such other functions as may be assigned by the Board of faculty, the Academic Council, Executive Council and the Vice-Chancellor.

5. Quorum:

The quorum for a meeting of the Board shall be one-third of the total members of the Board.

6. Minutes:

The Chairperson of the Board shall keep the minutes of the meetings of the Board.

7. Rules of Business:

The rules for the conduct of the meetings of the Board shall be prescribed by the regulations.

8. Notice:

Notice of the meetings of the Board shall be issued at least 15 days before the date fixed for the meeting.

Ordinance A-4

On the Board of Under-Graduate Studies

(Under Section 31(1) (p) of the TU Act, 2006)

Short title:

There shall be a Board of Under-Graduate Studies for each subject taught at the degree level.

1. Construction:

The constitution of the Board shall be as follows:

- i. The Head of the University Department teaching the subject (Chairperson, ex-officio)
- ii. Professors in the Department;
- iii. One Associate Professor and one Assistant Professor in the Department on the basis of seniority by rotation to be nominated by the Vice-Chancellor;
- iv. Five teachers from affiliated colleges engaged in teaching the subject concerned on the basis of seniority of service nominated by the Vice-Chancellor;
- v. Two outside experts nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation of the Head of the Department of whom one shall ordinarily be a person from the North-Eastern region.

Provided that where there is no teaching at the University Department for which the Board of Under-Graduate Studies being constituted, the constitution will be as follows:

- (i) Three persons not below the rank of Associate Professor/ Assistant Professor (Sl. Grade) to be appointed by the Academic Council, one of whom be appointed as Chairperson by the Vice-Chancellor.
- (ii) Five teachers from affiliated colleges engaged in teaching the subject concerned nominated by the Board of faculty concerned.
- (iii) Two external Experts on the subject concerned nominated by the Vice-Chancellor on the recommendation by the Chairperson of the Board of faculty, of whom one should ordinarily, be a person from the North Eastern Region.

Provided further that for subjects for which Post-Graduate teaching is not offered in any University in India, the Vice-Chancellor may nominate two persons having the requisite expertise on the subjects.

2. Term of the Office:

Members of the Board of Under-Graduate Studies shall hold office for a period of three years of such period as may be fixed at the time of appointment.

3. Chairperson:

The Head of the Post-Graduate Department, where existing shall be the Chairperson of the Board. In his absence, the Chairperson shall be elected by the members of the Board. The Chairperson shall preside over all meetings of the Board; and in his absence, at any particular meeting, the members present shall elect their own Chairman.

4. Powers and Functions:

- a.to make recommendation to the Academic Council in regard to the syllabi of the courses of study and necessary text books for the courses;
- b.to recommend to the Academic Council measures for improvement of the standard of Under Graduate Courses and teaching in the subject;
- c.to recommend to the Board of faculty panel of names suitable for appointment as examiners including paper setters, etc. in the subject with which it deals, and
- d.to consider and report on any matter referred to the Board by Head of the Post-Graduate Department, the Dean of faculty, the Academic council, the Executive Council or the Vice-Chancellor.

5. Meeting:

- a. Meeting of the Board shall be convened by the Chairperson of the Board.

1Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

25

- b. Special meetings may be called by the Chairperson on her/his own or on the request of the Dean of the Faculty or at the suggestion of the Vice-Chancellor or on a written request of at least four members of the Board.

6. Notice:

Notice of the meetings of the Board shall be issued by an Administrative Officer to be nominated by the Vice-Chancellor.

7. Quorum:

The quorum for a meeting of the Board shall be one-third of total members of the Board.

8. Rules of Business:

The rules of conduct of the meeting shall be prescribed by the Regulations in this regard.

Ordinance A-5

**On the Admission of students to the University
including its Affiliated Colleges:**

(Under Section 31(l) (a) of the TU Act, 2006)

1. Without prejudice to the provisions of the Act and Statutes, and other rules of the University, no student shall be eligible for admission in the first degree course in the faculties unless he/she has successfully completed 12 years schooling through an examination conducted by a Board/University. The admission shall be made on merit on the basis of criteria notified by the University after taking into account the reservation order issued by the Govt. of India/UGC from time to time.

Student enrolment shall be in accordance with the number of teachers and physical facilities available.

No student shall be eligible to seek admission to the Master's course in faculties who has not successfully pursued the first degree course of three years duration/or four year duration (where the bachelor degree is of four years).

2. The Candidates seeking admission to a course of study in this University including its affiliated colleges/ institutions must satisfy the rules and the conditions made in this behalf.

Ordinance A-6

On Degrees, Diplomas and Certificates

(Under Section 31(1) (d) of the Tripura University Act, 2006)

The following Degrees, Diplomas and Certificates in accordance with conditions, which may be laid down from time to time in each case by an Ordinance or otherwise, will be awarded by the University in accordance with the provisions of the Ordinances and Regulations if any, in each case:

- (i) Research Degrees of Master of Philosophy, Doctor of Philosophy, Doctor of Science, Doctor of Literature and Doctor of Law;
- (ii) Master's Degree in Arts, Sciences, Computer Applications, Information Technology, Commerce, Education, Law, Agriculture, Management Studies, Pharmacy, Medicine, Engineering, Technology, and such other discipline may be approved by the Academic Council from time to time in accordance with the degree specified by the UGC;
- (iii) Bachelor's degree (General and Honours) in Arts, Science, Commerce, Computer Applications, Pharmacology, Education, Agriculture, Medicine, Engineering, & Law and such other disciplines as may be approved by the Academic Council from time to time in accordance with the degree prescribed by the UGC;
- (iv) Post Graduate Diploma in Kokborok Language & Literature, Bamboo cultivation and Resource Utilization and such other areas as may be approved by the Academic Council from time to time;
- (v) Diploma in Civil, Mechanical and Electrical Engineering, Electronics, Information Technology, Computer Application, Medical Lab Technology, fashion Technology, Food Processing technology and such other fields as may be approved by the Academic Council from time to time;
- (vi) Diplomas and certificates in various languages;
- (vii) Certificates in Arts, Science, Commerce and other courses as may be approved by the Academic Council from time to time;
- (viii) Honorary degrees; and
- (ix) Degrees (Master's and Bachelor's) Diplomas and Certificates in various professional courses by the University from time to time.

Ordinance B-1

On the Powers and Functions of the Dean of Faculties

(Under Section 31(1) (p) read with Clause (3) of statute 5)

The Dean of a Faculty shall be the Head of the Faculty and shall be responsible for the conduct and maintenance of standards of teaching and research in the Faculty. She/ he shall be appointed by the Vice-Chancellor from amongst the Professors in the Faculty by rotation in the order of seniority for a period of three years.

The Dean shall have the following powers and functions:

- a. to co-ordinate and supervise the teaching and research work in the faculty through the Heads of departments/ Centres;
- b. to maintain discipline in the faculty through the Heads of Departments/ Centres;
- c. to take steps to promote inter-disciplinary teaching and research, whenever necessary;
- d. to recommend for the examination of the University in respect to the students of the faculty in accordance with the directions as may be given by the Board of Faculty or the Academic council; e. to keep a record of the evaluation of the sessional work and the attendance of the students at theory classes, tutorials, seminars or practicals when these are required for the examinations of the students;
- f. to take steps to give effect to the decisions and recommendations of the faculty; and g. to perform such other duties as may be assigned to her/ him by the Academic Council, Executive Council or the Vice-Chancellor.

Ordinance B-2

The Heads of the Departments & their Functions

(Under Section 31(1) (p) of the Tripura University Act, 2006)

1. Each Department shall have a Head who shall be appointed by the Vice-Chancellor from amongst the Professors for a period not exceeding three years, by rotation;
Provided that where in any Department there is only one Professor or there is no Professor, the Vice-Chancellor may also appoint one of the Readers as the Head of the department for a period not

exceeding three years;

Provided further that the person appointed as the head of the Department shall hold the office for the duration of appointment from the date he/ she is appointed Head, unless he/ she ceases to be a member of the staff or resigns the headship.

2. The Head of the Department shall, under the general guidance of the Dean of faculty;

- (a) Organize the teaching and research work in the Department;

1Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

27

- (b) Allocate teaching work to the teachers in the department and assign to them such other duties as may be necessary for the proper functioning of the department;
- (c) Coordinate the work of the Departmental Committees appointed for specific purposes, and
- (d) Perform such other duties as may be assigned to him by the Dean, Board of the Faculty, the Academic Council, the Executive Council and the Vice-Chancellor.

Ordinance B-3

On the Dean's Committee

(Under Section 31(1) (j) of the Tripura University Act, 2006 read with Clause (1) of Statute 22) **1.Short title:**

The University shall constitute a Committee of Deans of Faculties of Studies to maintain the uniformity in the standard of teaching and research among the Faculties.

2.Constitution of the Committee:

The Dean's Committee shall comprise of the following:

- i. The Vice-Chancellor – Chairperson (Ex-officio)
- ii. The Pro-Vice-Chancellor – Member (Ex-Officio)
- iii. All Deans of Faculties – Members
- iv. The Controller of Examinations – Member
- v. The Registrar – Secretary

3.Functions:

The functions of this committee can be as follows:

- a. to consider matters arising for conduct of examinations, standard of results and research etc;
- b. to consider general administrative matters on the functioning of faculties and departments;
- c. such other matters as may be assigned to it by the Executive Council or may be referred to by the Vice-Chancellor

4.Meeting:

The notice of the meeting will be issued by the Secretary (Registrar) taking the consent from the Chairperson.

5.Quorum:

The quorum for a meeting shall be one-third of its total members.

6.Rules of Business:

The rules of conduct of meetings shall be prescribed by the regulations in this regard.

Ordinance B-4

On the College Development Council

(Under Section 31(1) (l) of the Tripura University Act, 2006)

1.Title:

There shall be a College Development Council in the Tripura University. This Council is responsible for admitting colleges to the privileges of the University as well as to provide a leadership for maintenance of the academic and administrative standards of the colleges.

2. Constitutions: The Council shall have the following members:

- (1) The Vice-Chancellor

- Chairperson (Ex-officio)

- (2) The Pro-Vice-Chancellor -Member (Ex-officio) (3) Two teachers of Professor/ Associate - Member
Professor grade, Member one from Science
Departments and another from Arts/ Commerce

Departments, to be nominated by the Vice-Chancellor on rotation basis.

(4) Three principals of affiliated colleges, - Member one from general colleges, one from

technical colleges and the rest one from vocational colleges, to be nominated by the Vice-Chancellor in order of seniority in the service in the colleges on rotation basis.

(5) Three teachers of affiliated colleges, one from Science departments, one from Arts Departments and the rest one from Commerce/ Technical/Vocational Departments to be nominated by the Vice-Chancellor in order of seniority on rotation basis.

-Member

(6) The Director of the Higher Education the state

-Member of

(7) The Controller of Examinations

- Member

(8) The Finance Officer

-Member (9)

The Dean of Student's Welfare

- Member

(10) The Director of College Development Council

-Member

(11) The Registrar

3. Terms of Office:

-Secretary (Ex-officio)

The terms of office of members other than Ex-officio shall be of two years.

4. Fill up the vacancy:

The Vice-Chancellor shall take necessary measures to fill up any post vacated due to illness, death or resignation or otherwise of a member at the earliest.

5.Meeting:

(i) The Council shall meet at least twice in an academic year and the meeting shall be convened by the Secretary in consultation with the Vice-Chancellor

(ii) The Vice-Chancellor shall preside over the meeting. In his/her absence Pro-Vice-Chancellor shall preside over the meeting.

6.Notice:

The meeting of the notice shall be served at least 21 days before the date fixed for the meeting except for special meeting.

¹Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

29

7.Quorum:

One-third of the actual membership of the Council present in a meeting shall form the quorum.

8.Minutes

The Secretary shall keep record of the proceedings of the meeting and circulate to the members within 15 days after the meeting.

9.Powers and Functions:

College Development Council shall have the following powers and functions:

(i) to recommend all matters relating to the affiliated colleges as the Principal Advisory body to the Executive Council through the Academic Council;

(ii) to assess the suitability and adequacy of its accommodation and equipments for teaching in the affiliated colleges;

(iii) to assess the qualifications and adequacy of the teaching staff and the conditions of their services in each affiliated colleges;

- (iv) to inspect the arrangements for the residence, welfare, discipline and supervision of students in the colleges;
- (v) to assess the adequacy of financial provision made for the continuous maintenance of the colleges;
- (vi) to make suggestions on various aspects of education with view to gradual improvement of the general educational and administrative standards in the colleges;
- (vii) to prepare different developmental projects on behalf of the colleges and to submit to various funding agencies for overall improvement of the colleges;
- (viii) to arrange inspection of the colleges once in every two academic years on the advice of the Vice-Chancellor or the Academic Council with a view to preparing and maintaining an up-to-date profile on each college and to follow up the Inspection reports and to suggest for corrective measures whenever necessary. The Members of the Inspection Team shall be nominated by the Vice-Chancellor;
- (ix) to review the academic performances of the colleges from time to time and to make suggestions for improvement;
- (x) to make suggestions for promotion and encouragement of extra-curricular activities in the colleges;
- (xi) to arrange for Inspection Team to review the conducting of the examination of the colleges as per University guidelines and to suggest corrective measures if requires.

10. The Director of the College Development Council shall look after the day to day business of the Council and will be the Liaison Officer between the university and the affiliated colleges for communications of the directives of the University to the colleges and to receive the matters of the colleges.

Ordinance B-5

On the Dean, Student's Welfare

[Under Section 31(1) (p) read with Clause (1) (i) of Statute 39]

1. There shall be a Dean of Students' Welfare.
2. The Dean of Students' Welfare shall be appointed by the Vice-Chancellor from among the Professor & Associate Professor of the University. The Dean so appointed shall hold office, in addition to his/ her normal duties as a Professor/ Associate Professor, for a term of three years, and shall be eligible for reappointment.
3. When the office of the Dean of Students' Welfare is vacant or when the Dean of Students' Welfare is, by reason of illness or absence for any other cause, unable to perform the duties of his/ her office, the duties of the office shall be performed by such persons as the Vice-Chancellor may appoint for the purpose.
4. **Powers and functions of the Dean of Students' Welfare:**
 - (a) The Dean of Students' Welfare shall be the Chairman of the Students' Council.
 - (b) The Dean of Students' Welfare shall look after the general welfare of the students, and also provide appropriate encouragement for the sound and fruitful relationship between the intellectual and social life of the students and for those aspects of the university life outside the class room which contribute to their growth and development, as mature and responsible human beings.
 - (c) The Dean of Students' Welfare, inter alia, shall arrange for the guidance of and advice to the students of the university in matters relating to:
 - (i) Organizing and development of students' bodies ,
 - (ii) Counseling and students' guidance and career advice services,
 - (iii) Extra-curricular and sports activities of the students,
 - (iv) Students' financial aid, if any,
 - (v) Student-faculty and student-administration relationship,
 - (vi) Health and medical services for the students,
 - (vii) Residential life of the students,
 - (viii) Securing facilities for the students for further studies in the country, and/ or abroad, and
 - (ix) Students' Educational tour, if any.

(d) The Dean of Students' Welfare shall exercise such powers and perform such duties in the pursuit of the above objectives as may be assigned to him/ her from time to time by the Vice-Chancellor.

Ordinance B-6

On the residence of Students of the University

[Under Section 31(1) (h) of the TU Act, 2006]

1.Objectives:

There shall be halls of residence for students of the University as a large section of students come from distant places and reside in the rented houses of the city and University campus area. The objectives of residence in the halls are as follows:

- (a) to provide to the students a congenial place to live so that they can devote themselves to pursuit of higher learning.
- (b) to provide enlightened guardianship to the students during an impressionable age when they are living away from their parents/ guardians.
- (c) to provide an opportunity of the students to live together as family members and to develop in them a spirit of co-operation and fellow feeling in a societal frame.
- (d) to develop in the students the capacity to govern their own affairs.

2.Halls of Residence:

- (e) The University shall maintain such hostels as may be necessary for the residence of the students;
- (f) Each hall of residence (hostels) may be given names as decided by the University;
- (g) Each hostel shall be under the charge of a warden;
- (h) Each hostel shall maintain such register and records, as may be prescribed by the University, and shall furnish such statistical information as the University may require, from time to time,
- (i) Every residence of the hostels shall have to observe discipline as per the hostel rules.

¹Hkkx IIIμ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

31

3.Wardens of Halls of residence:

(i) Appointment; The Wardens of the hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor for a period of three years, on such terms and conditions as may be prescribed by the Executive Council from time to time. They are entitled to an unfurnished residential accommodation on rent free basis and an honorarium as may be decided by the Executive Council from time to time.

(ii) Powers and functions of Wardens: The wardens of hostels shall perform such duties as are assigned to them by the Vice-Chancellor from time to time and they shall function in consultation with the Dean, Students' Welfare. In addition to specific duties assigned by the Vice-Chancellor, the Wardens shall perform the following duties:

- (a) He/she shall be responsible for the health, hygiene, sanitation, cleanliness and food of the resident students;
- (b) He/she shall ensure that the residents in his/ her charge observe the hostel rules properly and maintain discipline and decorum;
- (c) He/she shall allot rooms to the students assigned to his/her, maintain a list of students alongwith permanent address of parents/ guardians and such other information as may be required by the appropriate authority;
- (d) He/she shall maintain a daily record of the resident students such as students present each day and students absent from the hall together with reasons of absence;
- (e) He/she shall report to the Dean, Students' Welfare all cases of misbehaviour, indiscipline and illness of students residing in his/ her hostel;
- (f) He/she will be responsible for the overall security of the hostel and will coordinate his/her responsibility with the Security Officer of the University

- (g) He/she will periodically verify the furniture and fillings of the hostel with the assistance of the Caretaker, and take action for their repairs/ replacement or for obtaining additional furniture;
- (h) He/she shall have the right to inspect hostel rooms;
 - (a) He/she shall have administrative control over the staff assigned to the hostel.
 - (b) He/she will advise in the selection of newspapers and magazines and will check the bills prepared by the Caretaker for purchase of these newspapers and magazines.
 - (c) He/she will take disciplinary action for keeping any unauthorized guest.
 - (d) He/she will ensure maintenance of discipline and decorum in the common room.
 - (e) He/she will look after the cultural programme of the hostel and regulate disbursements out of the hostels' recreation grant.
 - (f) He/she will stop mess facilities in respect of residents defaulting payment of mess bills or those who have vacated the hostel or have been evicted.

4. Prefect and Local committees:

- (a) For smooth management of each hostel, the Warden will be assisted by the Prefect and a Local committee which may consist of:
 - (i) Warden – Chairperson
 - (ii) Prefect – Member
 - (iii) Three students of the hostel, one of whom shall be the mess manager/ secretary - Members
- (b) The Local committee shall be appointed by the Warden and its term of office shall be one year.
 - (i) One or more prefects may be appointed by the warden who shall assign him/her such duties as he/she may deem proper for the smooth functioning of the hostel.
 - (ii) The prefect shall hold office for one year and shall be entitled to free accommodation in the hostel during the period of office provided he/she will not receive the HRA.

Ordinance B-7

On the Medium of Instruction and Examination

[Under Section 31(1) (c) of the TU Act, 2006]

English shall be the medium of instruction and examination in the research and study programmes of Academic Departments, unless otherwise decided by the university.

Provided that in the language subjects, the medium of instruction and examination shall be the respective language unless otherwise decided by the University.

Ordinance B-8

On the Convocation

[Under Section 31(1) (d) of the TU Act, 2006 read with
Statute 32 and 27 (1)]

1. Annual Convocation:

A convocation for the purpose of conferring degrees, diplomas and other distinctions of the University, shall be held every year on a date and place as may be fixed by the Executive Council with prior approval of the Chancellor.

Provided that in case the convocation is not held in a particular year, the Vice-Chancellor is competent to authorize admission of successful candidates in the year to their respective degrees in absentia and authorize the Registrar to issue the degrees on payment of the prescribed fee.

2. Special Convocation:

A special convocation may be held on such date as may be decided by the Executive Council on the recommendation of the Academic Council for the purpose of conferring any honorary degree under special circumstances with a prior approval of the Visitor.

3. Notice:

- (a) Not less than four weeks notice shall be given by the Registrar for all meetings of the convocation.
- (b) The Registrar shall, with the notice, issue to each member of the convocation, a programme of the procedure to be observed thereat.
- (c) The candidates who have passed their examinations in the year for which the convocation is held shall be eligible to be admitted to the convocation.

4. Degrees to be conferred and Medals/ Diplomas/ Certificates to be awarded:

- (a) Honorary Degree/ Special Medals;
- (b) Doctors' Degree
- (c) Masters' Degree
- (d) Post-Graduate Degree
- (e) Under-Graduate Certificates
- (f) Medals and Certificates

1Hkkx IIIµ[k.M 4°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

33

5.Applications:

- (a) A candidate for the degree must submit to the Registrar his/ her application on or before the date prescribed for the purpose for the admission to the degree at the convocation in person alongwith the prescribed fee.
- (b) Candidates who are unable to present themselves in person at the convocation shall be admitted to the degree in absentia by the Vice-Chancellor and their degrees shall be given by the Registrar on the basis of application and payment of the prescribed fee.

6.Fees:

The fee for admission to the degree at the convocation in person shall be Rs. 200/-. The fee for admission to the degree at the convocation in absentia shall be Rs. 300/-.

7.Honorary Degree:

Honorary degrees shall be conferred only at a convocation and may be taken in person or in absentia.

8.Presentation of the recipients:

- (a) The presentation of the persons at the convocation on whom honorary degrees/ special medals are to be conferred shall be made by the Vice-Chancellor to the Chancellor or in the absence of Chancellor the senior-most Dean to the Vice-Chancellor.

The Officer so presenting the recipient of an Honorary Degree/ special medals shall address the chair and say, "Sir, I am privileged to present to you..... for conferment of the degree of honoris causa which has been recommended by the Executive Council and confirmed by the Chancellor' and may in his/ her discretion, add such remarks as he/ she may think fit regarding the achievements of the recipient which have led to his/ her being chosen for the high honour.

The Chancellor or the Vice-Chancellor, as the case may be, shall thereupon, say "The Court/ the Executive Council of the Tripura University is pleased to confer upon you the degree of honoris causa" and may, in his/ her discretion, add such remarks as he/ she may think fit regarding the achievement of the recipient which have led to his/ her being chosen the high honour.

- (b) After the conferment of Honorary degrees and award of special medals, the Vice-Chancellor shall say, 'Mr. Chancellor, Distinguished Guests, Members of the University Community, Ladies and Gentlemen, we now come to the significant and impressive ceremony of conferring Doctors' and Masters' degrees and awarding Post-Graduate and Under-Graduate diplomas and certificates to those students who have been examined and found qualified to receive them. All of these degrees, diplomas and certificates have been recommended by the appropriate academic authority and by the Court/ the Executive Council."

(c) Candidates for the Doctors' degrees shall be presented as the faculty wise, Literature, Natural Sciences, Social Sciences, Medical Sciences, Commerce, Engineering and as per chronology in the Statute.

(i) The Dean of each faculty of Post-Graduate Studies shall say to the candidates for the Doctors' degrees, "Will the candidates for the conferment of the degree of please stand up and remain standing until I request them to resume their seats?"

(ii) The Dean shall then say to the Vice-Chancellor, "Sir, I present to you the candidates for the degree of doctor of (here mention the appropriate degree) and I pray that the degrees for which they have been recommended may be conferred on them", thereafter, the Dean shall say to the candidates, "Please be seated".

(iii) When all the candidates for the Doctors' degree have been so presented by the appropriate Deans, the Vice-Chancellor shall say, "Will all the candidates who have been presented for Doctors' Degree, please stand up? (Pause). The Executive Council of Tripura University is pleased to confer upon the degree for which you have been recommended and admit to all the rights and privileges respectively pertaining thereto and I, by virtue of the authority vested in me as Vice-Chancellor of this University, charge you that ever in your life and conversation you show yourselves worthy of the same, "Please be seated". The candidates will then take their seats.

(d) The candidates for the Masters' Degrees and Post-Graduate Diplomas and Certificates shall be presented as Faculty wise by the Heads of the respective Post-Graduate departments.

(i) The Head of each Post-Graduate Department shall say to the candidates, "Will the candidates who are to be presented for the degree of Master of/ Diploma in/ Certificate in from the University/ College please stand up and remain in standing until I request them to resume their seats?"

(ii) The Head shall then say to the Vice-Chancellor, "Sir/ Madam, I present to you the candidates for the degree of Master of/ Diploma in/ Certificate in and I pray that the degree/ diploma/ certificate for which they have been recommended may be conferred/ awarded on them". He/she shall thereafter say to the candidates, "Please be seated".

(iii) After the candidates for the Master's degrees and Post-Graduate Diplomas and Certificates have been so presented, the vice-Chancellor shall say, "ill all the candidates who have been presented for Master's Degrees and Post-Graduate Diplomas and Certificates please stand up? (Pause). The Court/ Executive Council of Tripura University is pleased to confer upon you the degrees, diplomas, and certificates for which you have been recommended and admit you to all the rights and privileges respectively pertaining thereto and I, by virtue of the authority vested in me as Vice-Chancellor of this University, charge you that ever in your life and conversation you show yourselves worthy of the same". (Immediately the candidates shall acknowledge by a bow!). "Please be seated".

(e) After the conferment of Degrees and the award of the Post-Graduate Diplomas and Certificates, the Registrar shall call the names of recipients of medals to be awarded on the result of examinations and other competitions, when upon each candidate whose name is so called, shall proceed to the Chairman (Chancellor or Vice-Chancellor) to receive his/ her medal from his/ her.

(f) The Registrar then shall call the names of the Principals of the Under-Graduate colleges to collect the certificates of the candidates from their colleges, whereupon each Principal whose name is so called, shall proceed to the Vice-Chancellor to receive the packet from his/ her.

(g) In the absence of the Dean of a Faculty, the function of such Dean shall be performed by the Registrar.

9.Procedure for the session:

(a) The Chancellor, the Chief-Guest, the Chief Rector, the Vice-Chancellor, the Pro-Vice-Chancellor, the Registrar, he Deans, the members of the University authorities shall assemble in a meeting room at the appointed hour and shall wear their special robes prescribed by the University.

(b) All of them shall walk in a procession in the following order to the Convocation Hall:

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

35

- (xi) The Academic Council
- (xii) The Deans
- (xiii) The Heads of P.G. Departments
- (xiv) The Controller of Examinations
- (xv) The Finance Officer
- (xvi) The Director, College Development Council
- (xvii) The Librarian

(d) The Chancellor or in his/ her absence, the Vice-Chancellor shall preside at the Convocation. (e) The Chancellor or the Vice-Chancellor, as the case may be, presiding at the Convocation shall, for the purpose of opening the Convocation, say, “I decide the Convocation opens”. If a Convocation extends for more than one session, the Chancellor or the Vice-Chancellor, as the case may be, presiding there at, shall say, at the end of each session other than final session, “I declare the convocation adjourned until.....”

(f) The Programme of the Convocation shall begin with recitation of the Holy Gita and inaugural songs.

(g) The Chancellor/ the Vice-Chancellor shall introduce the Guest Speaker in appropriate words befitting the occasion and may invite him/her to deliver a Convocation address. If the Chairman desires, this address shall be at the end of the distribution of medals.

(h) The Vice-Chancellor shall then present the Annual Report of the University.

(i) The Officers shall present the recipients of Honorary Degrees/ Other Degrees/ Certificates/ Medals as per order mentioned in Clause 8 and the Vice-Chancellor shall confer their respective Degrees. (j) The Chief-Rector shall address the Convocation.

(k) The Chancellor shall give his/ her Presidential Address.

(l) The Registrar shall propose a Vote of Thanks for the purpose of closing the Convocation. The Chancellor or the Vice-Chancellor as the case may be shall say, "I declare the Convocation closed". (m) The National Anthem will be recited and all the members of the Convocation and audience shall stand up.

(n) The procession will leave the Convocation Hall in the same order as it entered. The recipients and the audience shall remain standing till the procession has left the Convocation Hall.

Ordinance B-9

On the Discipline Committee for maintenance and proper conduct among the students of the University and its colleges

(Under Section 37(1) of the TU Act, 2006 read in Clauses (1), (6) and (7) of Statute 29)

1. Title:

There shall be Discipline Committee of the University for maintenance of discipline and proper conduct among the students of the University and its colleges.

2. Constitutions:

The Discipline Committee shall comprise of the following members:

- | | |
|--|-------------------|
| 1. The Vice-Chancellor | - Chairman |
| 2. The Pro-Vice-Chancellor | - Member |
| 3. The Deans of the Faculties | - Member |
| 4. The Dean of the Students' Welfare | - Member |
| 5. The Hostel wardens (special invitee, if matters related to hostels are placed in the meeting) | - Member |
| 6. The Director of College Development Council | -Member |
| 7. The Controller of Examinations | - Member |
| 8. The Proctor | -Member Secretary |

Powers and Functions:

discipline and disciplinary jurisdiction in the form of a declaration, which student at the time of admission;

- (i) To frame some rules of
has to be signed by every

(ii) To consider the matters of the students related to misconduct in a Class/Office/Library/ Auditorium/ Examination Centre or misbehaviour towards a teacher or any employee of the University;

(iii) To review from time to time the overall situation regarding discipline in the University; (iv) To consider the actions taken by the Proctor/ Hostel Wardens, the committee may confirm or modify the decisions.

4. Dispute Case:

The decision of the Discipline Committee shall be final and binding.

5. Quorum:

One-third of the total members present in a meeting shall constitute the quorum of the said meeting.

O. S. ADHIKARI, Registrar
[ADVT.-III/4/Exty./297(380-B)]

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

Digitally signed by
Nishok Kumar Paria
Kumar Paria Date: 2016.11.22
19:15:43 +05'30'